हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, सोमवार, 15 जुलाई 2024

11 श्री कृष्ण गोबिंद हरे मुरारी हे नाथ नारायण वासुदेवाय के भजन पर झूमे श्रद्धालु

12 अंबाला में शहीद स्मारक बन गया, लेकिन नसीबपुर में नहीं बना, खेद की बातः राव इंद्रजीत

इंद्र ने भाजपा को दिखाया आईना, आरती के मन में बसा 'अटेली', यह संभव हुआ तो कांग्रेस व भाजपा के बीच कड़ा मुकाबला

- केंद्र में मंत्री पद नहीं मिलने की टिस इंद्रजीत के समर्थकों में बरकरार, विधानसभा में इंद्रजीत की नहीं चली तो भाजपा का हो सकता है भारी नुकसान
- अटेली में 73 से 17 हजार के अंतर पर पहुंची भाजपा, अटेली में भाजपा जीत के पीछे माना जा रहा इंद्रजीत समर्थकों का सहयोग

सतीश सैनी ⏭ नारनौल

लोकसभा चुनाव खासतौर पर महेंद्रगढ़ जिला में राव इंद्रजीत सिंह के बेबाक बोल का असर यहां के वोटरों पर पड़ा और जिला की चारों विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी चौधरी धर्मवीर सिंह की जीत हुई। तब लगा था कि इस बार दक्षिणी हरियाणा का नेतृत्व करने वाले इंद्रजीत सिंह को केंद्रीय मंत्रीमंडल में शामिल करके इनाम मिलेगा, ऐसा नहीं हुआ। इससे भाजपा के प्रति इंद्रजीत समर्थकों की नाराजगी है। खुद सांसद धर्मवीर सिंह भी यह पीड़ा व्यक्त कर चुके है। अब जब अटेली हलके में समर्थकों का धन्यवाद करने राव इंद्रजीत सिंह आए तो भरी सभा में यह पूछ डाला कि इस सभा में भाजपा कार्यकर्ता कितने है, हाथ खड़ा करें। कोई आगे नहीं आया। यह पूरा नजारा अटेली से ही भाजपा विधायक सीताराम यादव के सामने हुआ। वह भी चुप रहे। भाजपा को यह आइना दिखाना था कि उनका लोकसभा क्षेत्र चाहे गुरुग्राम हो, पर महेंद्रगढ़ जिला अभी भी उनकी पकड़ में है।

दूसरी बात, पिछले कई सालों से इंद्रजीत सिंह बेटी आरती राव के लिए राजनीति जमीन तलाश रहे है। दक्षिणी हरियाणा के अधिकांश हलकों में जनसभा का जनता का मन आरती राव टटोली

इंद्रजीतसिंह | आरती राव | राव नरेंद्रसिंह | राव दानसिंह

चुकी है। इसके बाद उन्हें दो सीट ही सेफ नजर आ रही है। खुद आरती राव ने अपने भाषणों में कहा कि उसके मन में दो सीट है, जहां से वह चुनाव लड़ना चाहती है। उसमें अटेली विधानसभा पहली पसंद है। आरती राव का यह इशारा अटेली में उनके समर्थकों को ऊर्जा देकर गया है। वहीं भाजपा की हालत जाट बैल्ट में पतली है। दक्षिणी हरियाणा की ही यह 15 से 20 सीट ऐसी है जो भाजपा को सत्ता में ला सकती है। उसमें राव इंद्रजीत सिंह का किरदार अहम रहेगा। ऐसे में अगर भाजपा राव इंद्रजीत सिंह के हिसाब से बेटी आरती राव सहित उनके समर्थकों को टिकट देती है तो बात बन सकती है वरना कांग्रेस का पलड़ा भारी रहेगा। कांग्रेस भी अंदरूनी प्रयासरत है कि इंद्रजीत उनके खेमे में आते है तो दक्षिणी हरियाणा में जीत की राह आसान होगी। इस तरह यह तो तय है कि जिस उम्मीदवार पर राव इंद्रजीत का हाथ होगा, उनकी नैया पार हो सकती है।

अटेली विधानसभा

विधानसभा अटेली-68 दो बड़े कस्बा कनीना व अटेली से मिलकर बनी है, जिसमें 215 बूथ पर कुल 202007 वोट हैं। इस सीट पर अब तक हुए 13 विधानसभा चुनावों में छह बार कांग्रेस जीती है। खास बात यह भी है कि इस सीट पर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री राव बिरेंद्र सिंह भी यहां से दो बार प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। यह अलग बात है कि यहां से उनके पुत्र राव अजीत सिंह दो बार तथा उनके दिवंगत पोते राव अर्जुन सिंह 2019 में यहां शिकस्त खा चुके हैं।

अटेली से पुराना नाता, भाजपा व कांग्रेस के अलावा दिख नहीं रहा विकल्प

आरती राव अगर अटेली से चुनाव लड़ती है तो कांग्रेस को सिफारिश की बजाय मजबूत उम्मीदवार मैदान में उतारना होगा। आरती राव के सामने कांग्रेस से उम्मीदवार के रूप में राव नरेंद्र सिंह या राव दानसिंह ही फिलहाल मजबूत प्रतिद्वंद्वी नजर आ रहे है। अगर कांग्रेस से भी इन दो में से एक उम्मीदवार आरती राव के सामने चुनाव लड़ता है तो तीसरा विकल्प नजर ही नहीं आएगा। यह चुनाव पूरी तरह भाजपा व कांग्रेस के बीच ही होगा। यहीं नहीं, दक्षिणी हरियाणा की सबसे हॉट सीट अटेली बन जाएगी।

खबर संक्षेप

सिहमा में जाहरवीर गोगा महाराज का भंडारा आज

मंडी अटेली। खंड सिहमा में जाहरवीर गोगा महाराज का नौंवा विशाल भंडारा 15 जुलाई को आयोजित किया जाएगा। जानकारी देते हुए सत्यप्रकाश यादव ने बताया कि हर वर्ष की तरह जाहरवीर गोगा महाराज का नौंवां विशाल जागरण एवं भंडारा आयोजित होगा। बाबा के दरबार में प्रसद्धि कलाकारों द्वारा बाबा की महिमा के भजनों का गुणगान करेंगे। सुबह हवन करने के बाद मंदिर परिसर में भंडारा लगाकर प्रसाद वितरण किया जाएगा।

कनीना में लगाए जाएंगे 200 पौधे

कनीना। नेताजी सुभाष चंद्र बोस मैमोरियल क्लब में भारत विकास परिषद की बैठक आयोजित की गई। जिसमें पदाधिकारियों ने बारिश के मौसम में विभन्नि प्रजाति के 200 पौधे लगाने का नर्णिय लिया। जिनकी देखरेख के लिए कृष्ण सिंह की जम्मिदारी लगाई गई। डा. नरेंद्र बोहरा ने कहा कि शाखा की ओर से समाजहित में कार्य करना चाहिए। इस मौके पर मोहन सिंह, राजकुमार, जितेंद्र, लखनलाल, राजेश कुमार, सरिता भारद्वाज, धनपत सिंह, महेश बोहारा उपस्थित थे।

बलाहा कलां में किया पौधरोपण

नारनौल। गांव बलाहा कलां में रविवार को पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर एसडीओ बिजली निगम अमित यादव ने कहा कि पौधारोपण करना ही हमारा लक्ष्य नहीं होना चाहिए। जिस तरह संतान होने पर हम उनका लालन पालन करते है, उसी तरह पौधे से पेड़ बनने तक हमें उनका रखरखाव भी करना जरूरी है। उन्होंने वहां लोगों से आह्वान किया कि व्यक्ति अपने जीवन में हर सुखमय पल में पौधारोपण करें और दूसरों को भी प्रेरित करें। इस मौके पर मास्टर रूपराम, एसडीओ अश्वनी, श्योताज, देवेंद्र, अजय, अमित एसडीओ, अश्वनी, अरविंद प्रबंधक आदि लोग मौजूद रहे।

निर्माण प्रक्रिया की विजिलेंस से जांच कराने की लगाई गुहार

नांगल पीपा में साढ़े तीन करोड़ की लागत से निर्मित वाटर टैंक पानी भरने से पहले ही धंसा

- दीवार और फर्श में पड़ी दरार, आक्रोशित ग्रामीणों ने कमीशनखोरी और घटिया सामग्री इस्तेमाल करने के लगाए आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ नांगल चौधरी

सिंचाई विभाग ने नांगल पीपा में करीब साढ़े तीन करोड़ की लागत से वाटर टैंक निर्माण कराया था। जिसमें अभी तक पानी भी नहीं भरा गया और टैंक की फर्श धंसनी शुरू हो गई। दीवार और फर्श का ज्वाइंट खुल गया, जिसमें पानी का ठहराव संभव नहीं। जिससे गुस्साएं ग्रामीणों ने निर्माण में घटिया सामग्री इस्तेमाल तथा कमीशनखोरी के आरोप लगाए हैं। उन्होंने उपायुक्त से विजिलेंस द्वारा जांच कराने की गुहार लगाई है।

सरपंच रामनरेश कुमार ने बताया कि सरकार ने अटल भूजल योजना के तहत नांगल चौधरी हलके के विभिन्न गांवों में वाटर टैंक स्वीकृत किए हैं। नांगल पीपा में करीब साढ़े तीन करोड़ की लागत से वाटर टैंक का निर्माण कराया गया है। जिसमें पानी भरने की प्रक्रिया चल रही है, लेकिन इससे पहले ही टैंक की फर्श धंसनी आरंभ हो गई। दीवारों में दरार पड़ गई, जिस कारण टैंक में पानी का ठहराव संभव नहीं हो पाएगा।

नांगल चौधरी। टैंक की दीवार में पड़ी दरार व टैंक की फर्श में धंसावा का निरीक्षण करते ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

उन्होंने कहा कि निर्माण के दौरान ही ग्रामीणों को घटिया सामग्री लगाने का अंदेशा हो गया था, जिससे विभाग के उच्चाधिकारियों को अवगत कराया था लेकिन उन्होंने आरोपों की छानबीन नहीं की, उल्टा जिम्मेवार अधिकारियों को क्लीन चिट दे दी। अब बीते दिनों हलकी बारिश होने पर टैंक में पानी एकत्र हो गया। जिसके रिसाव से फर्श धंसनी शुरू हो गई।

कई जगह दीवारों में मोटी दरार पड़ गई तथा भुरभुराने लगी है। अनियमिताओं की सूचना मिलने पर सैकड़ों ग्रामीण वाटर टैंक पर पहुंच गए। उन्होंने विभाग के कनिष्ठ अभियंता को टैंक की स्थिति से अवगत कराया तथा मौके पर आने को कहा।

आरोप लगाया कि टैंक में मापदंडानुसार सरिये नहीं लगाए तथा सीमेंट की मात्रा भी कम लगी है। जिस कारण नवनिर्मित टैंक इस्तेमाल होने से पहले कंडम होने लगे हैं। उन्होंने मैटेरियल के सैंपल लेकर जांच कराने की गुहार लगाई है।

बजरी के गड्ढों में धंसी है फर्श, रिपेयर कराएंगे

सिंचाई विभाग के कनिष्ठ अभियंता संजय कुमार ने बताया कि टैंक की फर्श के नीचे बजरी के गड्ढे थे, जिनको अच्छी तरह भरकर सरिए बिछाए थे, लेकिन तकनीकी कारणों के चलते दीवार में दरार तथा फर्श में धंसाव हो गया। कंप्लीट रिपेयर करके ही पानी भरने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। उन्होंने बताया कि सिमेंट, सरिए तथा अन्य सामग्री उच्च क्वालिटी और उचित मात्रा में लगी है।

महेंद्रगढ़। रामबिलास शर्मा से आशीर्वाद लेते मोहनलाल कौशिक। फोटो : हरिभूमि

नए अध्यक्ष के नेतृत्व में तीसरी बार बनेगी भाजपा सरकार : प्रो. शर्मा

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

मोहनलाल कौशिक के नेतृत्व में भाजपा संगठन और मजबूती के साथ खड़ा होकर तीसरी बार भाजपा सरकार बनाने का कार्य करेगा। मोहनलाल कौशिक भाजपा के एक निष्ठावान एवं अनुभवी कार्यकर्ता है। उपरोक्त बातें भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एंव पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा ने भाजपा कार्यालय रोहतक में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल कौशिक बड़ोली के अध्यक्ष पद का कार्य बल संभालने के बाद महेंद्रगढ़ में लौटकर जारी एक बयान में कही। शर्मा ने कहा कि मोहनलाल कौशिक सोनीपत लोकसभा क्षेत्र के राई विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के विधायक हैं। वे पहले भी प्रदेश भाजपा में महामंत्री का सफल दायित्तव निभा चुके हैं।

संगठन में कार्य करने का उनका एक अलग ही नजरिया है वे हरियाणा भाजपा को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का हरियाणा भाजपा व केंद्रीय नेतृत्व का सपना साकार करेंगे। सीएम नायब सिंह सैनी व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल कौशिक निरंतर हरियाणा की 36 बिरादरी के लिए कार्य योजना बनाकर अन्तिम पंक्ति में खडे व्यक्ति को लाभ पहुंचाने का कार्य करेंगे।

1.71 करोड़ से महेंद्रगढ़ व सतनाली क्षेत्र की 7 सड़कों की होगी स्पेशल रिपेयर

- मार्केटिंग बोर्ड ने लगाए टेंडर
- एक दर्जन गांवों को होगा सीधा लाभ, किसानों का आवागमन होगा आसान

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़ एवं सतनाली इलाके में 1.71 करोड़ की लागत से सात सड़कों की हालत सुधारी जाएगी। इस बारे में जानकारी देते हुए विकास एवं निगरानी समिति सदस्य संदीप मालड़ा ने बताया कि मार्केटिंग बोर्ड की सात सड़कों की विशेष मरम्मत के लिए मार्केटिंग बोर्ड की तरफ से 1.71 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। इन सात सड़कों की स्पेशल रिपेयर के लिए मार्केटिंग बोर्ड ने टेंडर भी लगा दिए हैं। जल्द ही ठेकेदारों को टेंडर अलाट करके काम शुरू करवाया जाएगा। इनके स्पेशल रिपेयर से लगभग एक दर्जन गांवों के लोगों को सुविधा होगी तथा किसानों का आवागमन भी आसान हो जाएगा।

इन सड़कों पर होगा कार्य

- खरखड़ा से महेंद्रगढ़-दादरी रोड, लागत-14.85 लाख
- मंढ़ियाली से प्रह्लाद की ढाणी, लागत-36.29 लाख
- मालियां की ढाणी से गढ़ी, लागत-12.20 लाख
- कुरहावटा से खातोद, लागत-21.53 लाख
- कुरहावटा से खातोदड़ा, लागत-18.48 लाख
- डालनवास से जैतपुर (राजस्थान बार्डर), लागत-35.82 लाख
- बारड़ा टी-प्वाइंट से नूहनिया बार्डर, लागत-32.33 लाख

जिले में गृहमंत्री का कार्यक्रम होने की वजह से कल मानव रहित हवाई वाहनों पर रहेगा प्रतिबंध

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

- बीसी सम्मान सम्मेलन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत करेंगे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह

आगामी 16 जुलाई को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बीसी सम्मान सम्मेलन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत करेंगे। इस कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा के मध्य नजर जिलाधीश मोनिका गुप्ता ने धारा 144 लागू कर जिले में ड्रोन नियम 2021 के तहत मानव रहित हवाई वाहनों (यानी ड्रोन) पर प्रतिबंध लगाने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 2023 के तहत प्रतिबंध लगाया है। जिलाधीश ने आदेशों में स्पष्ट किया है कि 16 जुलाई को जिला महेंद्रगढ़ का संपूर्ण क्षेत्र ड्रोन उड़ाने के उद्देश्य से नो फ्लाइंग जोन रहेगा और मानव रहित हवाई वाहनों (यूएवी) आदि पर प्रतिबंध रहेगा। साथ ही 16 जुलाई को ड्रोन नियम 2021 के तहत उक्त क्षेत्र अस्थायी रेड जोन घोषित रहेगा। यह आदेश पुलिस, अर्धसैनिक, वायुसेना तथा संबंधित जनसंपर्क अधिकारी सहित कानून प्रवर्तन एजेंसियों पर लागू नहीं होगा। उपरोक्त आदेशों की अनुपालना के लिए पुलिस अधीक्षक महेंद्रगढ़ जिम्मेदार होंगे। इस आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति पर भारतीय न्याय अधिनियम 2023 की धारा 223 के तहत कानून के अनुसार मुकदमा चलाया जाएगा तथा उसे दंडित किया जाएगा।

मेड़ में ट्रैक्टर चालक ने खेतों में पेड़ पर लगाया फंदा, मौत

नारनौल। गांव मेड़ में एक ट्रैक्टर चालक ने घरेलू कारणों के चलते गांव के बाहर खेतों में पेड़ पर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करने उपरांत शव का नागरिक अस्पताल से पोस्टमार्टम कराया।

जानकारी के मुताबिक गांव मेड़ निवासी करीब 25 वर्षीय आनंद शर्मा ने गांव से बाहर खेतों में पेड़ से फांसी का फंदा लगा लिया। प्रातःकाल को ग्रामीणों ने उसे पेड़ पर लटका देख इसकी सूचना परिजनों को दी। सूचना मिलने उपरांत पुलिस भी मौके पर पहुंची। परिजनों ने बताया कि वह अविवाहित था और गांव में ही ट्रैक्टर पर ड्राइवरी का काम करता था।

उन्होंने बताया कि उसकी मानसिक स्थिति कमजोर होने एवं घरेलू कलह होने की वजह से उसने यह कदम उठाया है। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करने उपरांत शव का पोस्टमार्टम नागरिक अस्पताल नारनौल से करवाने उपरांत उसे परिजनों को सौंप दिया।

शनिदेव मंदिर के पास पुल निर्माण के लिए 13 घंटे तक अनशन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

शहर में शनिदेव मंदिर के पास गंदे नाले पर जो टूटा हुआ पुल है, उसके निर्माण हेतु जनहित अधिकारों के प्रति जागरूक सामाजिक कार्यकर्ता गिरीश खेड़ा ने नारनौलवासियों के साथ मिलकर आक्रोश व्रत रखा। इस आक्रोश व्रत में गिरीश खेड़ा ने सुबह 8:00 बजे से रात के 9:00 बजे तक 13 घण्टे के लिए अन्न और जल का त्याग कर अपना आक्रोश प्रकट करते हुए नगर परिषद एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों को जगाने का प्रयास किया। इस दौरान हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया, जिसमें लोगों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया और अतिशीघ्र पुल निर्माण की मांग की। इस धरने में शहर के लगभग छह सौ लोगों ने धरनास्थल पर पहुंच कर सरकार के निकम्मेपन के खिलाफ ज्ञापन पर हस्ताक्षर करके आक्रोश प्रकट किया।

धरना स्थल पहुंचने वाले शनि मन्दिर के प्रधान सुनील भाई व हितेंद्र कुमार ने कहा कि लगभग एक साल पहले इस नाले पर पुल के पुनः निर्माण हेतु पुराने पुल को पूरा तोड़ तो दिया गया, पर आज तक इस पुल का पुनः

नारनौल। शनिदेव मंदिर के पास अधूरा पड़ा पुल व पानी पिलाकर गिरीश खेड़ा का अनशन तुड़वाते लोग। फोटो : हरिभूमि

निर्माण की कोई भी प्रक्रिया नहीं हुई। धरने पर पहुंची वरिष्ठ अध्यापिका सरला सैनी और सुनीता ने प्रशासन व सरकार को कोसते हुए कहा कि उस रास्ते से बच्चों सहित गुजरने में और दोपहिया वाहन पर बैठकर नाले के पास से जुगाड़ू रास्ते से निकलने में डर रहता है। यहां दोपहिया वाहन के सीधे नाले में गिरने का हमेशा भय बना रहता है। मंदिर के पास रेहड़ी लगाने वाले भाई मोहन कुमार, मंदिर पुजारी नरोत्तम पंडित, सत्यनारायण, गोपाल शर्मा व हनुमान मंदिर के पुजारी मनोज कुमार आदि ने शिकायत की कि जब से पुल तोड़ा गया, तब से रेहड़ी को मंदिर तक लाने के लंबा घूमकर आना जाना पड़ता है। जब पुल था तो उस पुल को पार करके आने जाने वाले लोगों की वजह से उनको अधिक ग्राहक मिलते थे, पर जबसे पुल तोड़ा गया है, सभी रेहड़ी वालों की आमदनी पर बुरा असर पड़ा है।

अनशन आयोजक गिरीश खेड़ा ने कहा कि इस पुल का एक साल से पुनः निर्माण का न होना एक और स्पष्ट संदेश दे रहा है कि सरकार के पास जन हित के कार्यों के लिए पैसा नहीं है। सिर्फ एक पुल का सवाल ही नहीं है, जिसके लिए सरकार के पास पैसा नहीं है। यह आक्रोश व्रत धरने का आयोजन जनता में इसी जागरूकता को फैलाने के लिए और गूंगी बहरे शासन प्रशासन की चेतना को जगाने के लिए किया गया है, ताकि इस पुल का निर्माण युद्धस्तर पर किया जाए। इस धरने में मुकेश सिंगला, राकेश शर्मा, विवेक भटनागर, जयसिंह सैनी, अमन तनेजा, आत्माराम, जोगिंद्र खन्ना, मनीष खन्ना व भूतपूर्व फौजी करण सिंह आदि ने महत्वपूर्ण सहयोग दिया।

नगर परिषद, जिला प्रशासन एवं सरकार के खिलाफ रोष व्यक्त किया

152-डी पर भीषण सड़क हादसे में तीन की मौत, एक गंभीर रूप से हुआ घायल

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

नेशनल हाईवे 152-डी पर गांव सुरजनवास के समीप ट्रक व स्कारपियो के बीच भीषण सड़क हादसा हो गया। हादसे में कार में सवार तीन लोगों की मौके पर मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतकों को नागरिक अस्पताल के मोर्चरी गृह में रखवाया गया हैं। देर शाम तक मृतकों का पोस्टमार्टम नहीं हो पाया था। पुलिस मृतकों के परिजनों का आने का इंतजार कर रही थी।

- देर रात 152-डी पर गांव सुरजनवास के समीप ट्रक व कार आपस में टकराई
- मृतकों में से एक की हुई पहचान, दो की पहचान करने में जुटी है पुलिस

मिली जानकारी के अनुसार रविवार सुबह 2:45 बजे सुप्रीम लॉजिस्टिक कंपनी का ट्रक नेशनल हाईवे 152-डी पर अंबाला की ओर जा रहा था। इसे अजमेर के थाना विनायक क्षेत्र निवासी सुखदेव चला रहा था। ट्रक जब हाईवे पर गांव सुरजनवास के पास पहुंचा तो पीछे से उसमें एक स्कॉर्पियो घुस गई। दुर्घटना में स्कॉर्पियो का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इसमें चार लोग सवार थे। लोगों की मदद से चारों को स्कॉर्पियो से बाहर निकाला गया।

एंबुलेंस बुलाकर उन्हें सिविल अस्पताल महेंद्रगढ़ लाया गया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने सनी उर्फ तेजेंदर सिंह निवासी गुरु नानक पुरा जालंधर को हायर सेंटर रेफर कर दिया। उसके तीन अन्य साथियों को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। एकमृतक की पहचान नायाब सलमानी निवासी जालधंर के गुरु नानकपुरा के रूप में हुई हैं। तीनों मृतकों के शव महेंद्रगढ़ नागरिक अस्पताल में रखवाए गए हैं तथा परिजनों को हादसे की सूचना दे दी गई है। पुलिस द्वारा आगे की कार्रवाई की जा रही है तथा देर शाम तक तीनों का पोस्टमार्टम नहीं हो पाया था। पुलिस मृतक के परिजनों के आने का इंतजार कर रही थी।

महेंद्रगढ़। हादसे के बाद क्षतिग्रस्त स्कॉर्पियो गाड़ी।

साहित्य

जब मैंने प्रेम किया तो मुझे लगा जीवन आकर्षण है जब मैंने भक्ति की तब मुझे लगा जीवन समर्पण है । जब मैं बैठा था तो समझता था कि जीवन उपस्थिति है जब मैं खड़ा था तब समझता था कि जीवन स्थिति है ।

-गोपालदास नीरज

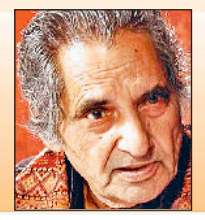

सुग्गा ने उसे बताया कि आखिर क्यों एक संकीर्ण मानसिकता के चलते दोनों पेड़ काट दिए गए। चिरकाल की सामाजिक, राजनीतिक और नैतिक मान्यताओं का समुच्चय एक साथ भगत पंडित के मस्तिष्क में उभर आया। वक्त बीतता गया। अंततः भगत पंडित गाँव का सरपंच बना। अब उसने अपनी दौड़ को राजधानी तक कर लिया है। इधर सुग्गा को अब भी चबूतरे पर दोनों पेड़ों के फिर से जिंदा होने का इंतजार है। लेकिन पेड़ कहाँ हैं?

कहानी | डॉ. एस.डी. वैष्णव

पेड़ कहाँ हैं

अगर मंदिर पर से एक भी पेड़ काटा, तो ठीक नहीं होगा। भगत पंडित ने बुलेट बाइक से उतरते ही आवाज मुखर की। 'तुम लोगों ने लगाए पेड़ जो काटने चले आए! अरे, पुरखों की विरासत है यह दोनों। मैं देखता हूँ, कौन काटता हैं!' अपने तल्ख लहजे में उसने सबको आगाह किया।

भगत पंडित गाँव में युवा नेता था। सबके हित की बात करता और कहीं अनुचित होता देखता, तो लड़-भिड़ जाने को तत्पर रहता। मुँह फट आदमी था। एक बार खरी कह दी, सो कह दी। उसके वहाँ आते ही मंदिर पर जमा लोगों को जैसे साँप सूंघ गया। उसने कहा, 'पेड़ लगाने के जमाने में पेड़ काटने पर आमादा हो रहे हो!' उसका बोलना हुआ कि सब आगे-पीछे होने लगे।

भगत पंडित की वजह से कुछ पल चबूतरे पर सन्नाटा पसरा रहा। बड़बड़ाते जाते हुए, उसने कश्मीरी मफलर को गले में ठीक से लपेटा। फिर बाइक को किक लगाई। बाइक डुबू-डुबू-डुबू-डुबू करती हुई, आगे निकल गई।

बाइक के लॉन्ग स्ट्रोक इंजन से आती गहरी गड़गड़ाहट देर तक चबूतरे पर सुनाई देती रही। इंजन से आती उस ध्वनि में चेतावनी की गूँज भी मौजूद थी।इधर घर आने के बाद पेड़ों को लेकर भगत पंडित का मन थोड़ा विचलित था।

गाँव के हनुमान मंदिर के लंबे-चौड़े चबूतरे पर अक्सर युवाओं और बुजुर्गों की बैठकें होती रहती थीं। चबूतरे के दोनों कोनों पर खड़े विशालकाय पीपल और नीम का वृक्ष अपने अतीत की गौरव गाथा स्वयं बयां करते थे। रामलीला का मंचन हो, चाहे अखंड रामायण पाठ, चाहे गाँव में यदा-कदा आने वाले छोटे-मोटे राजनेताओं का सम्मान और भाषण कार्यक्रम आदि इसी चबूतरे पर आयोजित होते। गाँव में जब कभी वानर साम्राज्य का आगमन होता, तब वे कई दिनों तक इन दोनों पेड़ों को अपना घर मानकर, डेरा जमाए रहते जो नित्य छोटे बच्चों के लिए कौतूहल का केंद्र बनते।

शीतकाल में चबूतरे पर बनी धूणी पर अलाव लगाया जाता, फिर देर तक बहस चलती- गाँव में कौन क्या कर रहा है, किस-किसी ने कहाँ-कहाँ अपना खूँटा गाड़ रखा है, कहाँ विवाह है और कहाँ मृत्युपरांत होनेवाली बैठकें..इन सब बातों की जानकारी चबूतरे पर मौजूद थी। कुछ पढ़े-लिखे युवा मृत्युभोज का विरोध करते, तो उन्हें चबूतरे की बैठकों से दुत्कार दिया जाता। आरोप लगाया जाता कि ज्यादा पढ़-लिख गए हैं, अब परंपरा को बिसराने की बात कर रहे हैं। बारह दिन का चाल-चलन तो करना ही पड़ता हैं, अन्यथा मृत आत्मा को शांति नहीं मिलती है।

गाँव में दोनों प्रमुख राजनीतिक दलों के समर्थक बराबर रूप से मौजूद थे। एक बार शीतकाल में रूस-यूक्रेन युद्ध का मुद्दा कई दिनों तक अलाव के आसपास मंडराता रहा। युद्ध लंबा चला, लिहाजा बहस भी लंबी चली। बहस का जब राजनीतिकरण होने लगता, तो बात हाथापाई तक भी आ जाती थी।

खैर, यह मन-मुटाव ज्यादा दिन नहीं चलता और किसी बहस के साथ फिर नयी शुरुआत होती। कुछ दिन बाद चबूतरे पर से अफ़वाह भरी यह खबर भी उठने लगी थी कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का संबंध तो राजस्थान से है। और इन सब बातों के मुख्य गवाह यह दोनों पेड़ ही थे।

समय के पड़ाव के साथ चबूतरे पर टीन शेड डालने की योजना बनी, तो सालों से अपनी बाँहें फैलाए अटल विश्वास के साथ खड़े दोनों विशालकाय पेड़ों को धराशायी होना पड़ा।

भगत पंडित के साथ कुछ और लोगों ने भी इस बात का मजबूती के साथ विरोध किया कि नीम के अपने औषधीय गुण हैं, ऊपर से शीतला माता नीम के नीचे ही विराजित हैं। और पीपल का पेड़ तो किसी भी स्थिति में काटना अपशगुन माना जाता है। पीपल का वृक्ष भगवान विष्णु का जीवंत स्वरूप है, इसलिए इनको यथावत रखा जाए। फिर महिलाओं को दशामाता पूजन के लिए भी पीपल का वृक्ष चाहिए! बहन-बेटियां गाँव से बाहर कहाँ जाएंगी!

खैर, इन तर्कों का कोई सार्थक परिणाम नहीं निकला, क्योंकि टीन शेड डालने वालों की तरफ ज्यादा लोग थे। उनका पक्ष मजबूत था। भगत पंडित को सरपंच पद पर निर्विरोध विजय बनाने का आश्वासन मिला, तो उसने भी अपनी जुबान बंद कर दी। अंततः दोनों पेड़ों को टीन शेड के नाम पर जमींदोज होना पड़ा। पक्षियों के घरौंदे जमीन पर बिखर गए और दोनों पेड़ गाँव वालों की यादों में रह गए।

टीन शेड लगा। फिर पंखे भी लगाए गए, लेकिन उन दोनों पेड़ों जैसी शीतल छाया वाली बात अब कहाँ थी..! सुबह-शाम होने वाला पक्षियों का कलरव भी खत्म हो गया था। संध्या वेला में आरती के समय नीम पर दिखने वाला सारंग और सुर्ख गुलाबी रिंग वाला सुग्गा भी अब नजर नहीं आएंगे। पीपल में तो पितरों और तीर्थों का वास होता है, पर अब यह सब अनुभूति कहाँ होंगी! औरतें कहाँ पूजा करेंगी! बड़ी गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई थी।

भगत पंडित के जहन में कवि बिलाल 'वास्कोडिगामा' की पंक्तियाँ तरी हो रही थीं- 'परिंदे नहीं लड़ते पेड़ों से, गौर से देखोङ्ग.लड़ रही हैं कुछ भूखी कुल्हाड़ियाँ, पेड़ों के बदन से।'

भगत पंडित ने भीतर से आहत होते हुए भी इस पूरे प्रकरण पर अपनी आँखें मूंदें रखीं, लेकिन सुग्गा की आँखें खुली थीं। इस घटना में कई पक्षियों के साथ उसकी प्रेयसी की भी मौत हो गई थी। नीम कटते वक्त वह कोटर में मौजूद थी। सुग्गा अमेजॉन प्रजाति का बड़ा विचित्र पक्षी था जो लंबे समय से नीम के कोटर में अपनी प्रेयसी के साथ रह रहा था। उसके पास मनुष्यों के भाषण और ध्वनि संकेत को समझने की दिव्य शक्ति थी; लेकिन गाँव में यह बात किसी को मालूम नहीं थी।

एक बार रात के अंतिम पहर में भगत पंडित ने स्वप्न में देखा कि एक रहस्यमयी सुग्गा उसके द्वारा पर बैठा है। वह उसे गाँव के उन षड्यंत्रकारी लोगों के बारे में बताना चाहता है जो उसे चुनाव में एकतरफा विजय बनाने का आश्वासन दे चुके थे। और आगे उनका राजनीतिक हथकंडा और एजेंडा क्या है? उसे मोहरा बनाकर पेड़ काट दिए गये। सुग्गा ने उसे यह भी बताया कि राजनीति का उसूल है- बड़े बरगद के नीचे छोटा बरगद कभी पनप ही नहीं सकता। और भी बहुत कुछ था उस स्वप्न में...।

स्वप्न ने भगत पंडित को झकझोर दिया। पसीने की बूंदें उसके चेहरे पर तैर आईं। वह उठ बैठा। अपना हुलिया दुरुस्त किया और देखा कि वह अपने कमरे में ही मौजूद है। उसने घड़ी में देखा, अभी दिन फूटने में वक्त था। सपने कौनसे सच होते हैं! यही सोचकर वह फिर से कंबल तानकर सोये रहा।

सुबह जब वह घर से बाहर निकाला तो हतप्रभ था। उसने देखा, सुग्गा ठीक स्वप्न वाली जगह पर बैठा था। भगत पंडित को देख, वह उड़कर मंदिर की ओर चला गया।

भगत पंडित के भीतर द्वंद्व चलने लगा। आखिर कौन है बड़ा बरगद! जो भी हो, वह उससे लोहा लेकर ही रहेगा। पेड़ों के कट जाने का पश्चाताप उसे होने लगा। उसने निश्चय किया कि वह टीन शेड हटवाकर पुनः पीपल और नीम का वृक्ष लगाएगा।उसने अपनी बुलेट बाइक स्टार्ट की और मंदिर की ओर चला। वहाँ उसने देखा, सुग्गा मंदिर के गुंबद पर बैठा था।

कुछ दिन आगे एक बार फिर स्वप्न में सुग्गा ने उसे बताया कि आखिर क्यों एक संकीर्ण मानसिकता के चलते दोनों पेड़ काट दिए गए। चिरकाल की सामाजिक, राजनीतिक और नैतिक मान्यताओं का समुच्चय एक साथ भगत पंडित के मस्तिष्क में उभर आया।

वक्त बीतता गया। अंततः भगत पंडित गाँव का सरपंच बना। अब उसकी ठसक और रंग-ढंग अलग है। धीरे-धीरे आगे भगत पंडित को विधायकी के टिकट का भी आश्वासन मिलने लगा है। अब उसने अपनी दौड़ को राजधानी तक कर लिया है। इधर सुग्गा को अब भी चबूतरे पर दोनों पेड़ों के फिर से जिंदा होने का इंतजार है। लेकिन पेड़ कहाँ हैं?

चौपाई छंद | शकुन्तला काजल 'शकुन'

संत कबीर दास

ज्येष्ठ मास की पूरण मासी।
नीरू-नीमा तजें उदासी।।
कारण था नन्हा -सा बालक।
आज बने थे जिसके पालक।।

मगहर की धरती मतवाली।
चारों और दिखी खुशहाली।।
ज्यों -ज्यों बढ़ता गया कबीरा।
ज्ञान -ध्यान में तपा शरीरा।।

निर्गुण ज्ञान मार्ग अपनाया।
तज पाखंड विरोध जताया।।
नित बुराइयों की जड़ खोदी।
बहुतेरे जन बने विरोधी।।

इनके शिष्यों ने बतलाया।
नहीं कभी गुस्से में पाया।।
सत्य- अहिंसा के पथ गामी।
अलबेले थे अंतर्यामी।।

जब-जब इनको गया सराहा।
बेबस और गिराना चाहा।।
शेख तकी ने नफरत बो दी।
ईश्वर ने जिह्वा ही खो दी।।

सबद, रमैनी इनके दोहे।
जो हर प्राणी का मन मोहे।।
कबीर बीजक, कबीर साखी।
तैर गए जिस- जिसने चाखी।।

कविता | निधि राठी

पुराना मकान

एक घर था जो ढह गया,
एक वक्त था जो बीत गया,
दीवारों से खिलखिलाहट झड़ने लगी है,
मेरी यादें मुझे मुंह मोड़ने लगी है।

सब कुछ तो छोड़ जाना है एक दिन,
फिर क्या तेरे संग क्या तेरे बिन,
ऐसे गिन कर दिन गुजार रही हूं,
मानो किसी का क़र्ज़ उतार रही हूं।

वो रह गया अंदर जो कहना था,
कुछ सह चुके थे,
पर शायद अभी और सहना था,
आंगन में नीम का पेड़ मुरझाने
लगा है,
गांव की गलियां सुनसान देखी,
लगा गांव भी शहर सा होने लगा है।

तस्वीर टूटने वाली है,
कांच बिखरने वाला है,
एक तूफ़ान सब बरबस हो जाएगा,
रोक ले नहीं तो पराया हो जाएगा।

खौंफ आता है इन दरारों से,
जो मेरी चौखट में आई है,
वो दूर खड़ी जो हंस रही है,
मैं हूं या मेरी परछाई है।

दरवाजा बंद नहीं होता,
शायद अकड़ गया है,
देखकर इस पुराने मकान की
हालत मेरा दिल बैठ सा गया है,
मकड़ी के बनाए जाल इस
बात का गवाह है,
वीरान रहा, बारिश, ठंड, धूप,
आंधी सब अकेला ही सहता रहा।

खिले फूल किसी एक कोने में
चुपचाप लहराते रहे,
संदूकों में जंग लग गया,
वो कपड़े, गहने यूं ही सड़ते रहे,
मैं जाऊंगी इस जहां से तो
सबको बता कर जाऊंगी,
किला ढह जाएगा, शोहरत मलबे में
दब जाएंगी, रुतबा बिखर जाएगा,
जमीने भी लूट ली जाएंगी।

ग़ज़ल | श्रीभगवान बव्वा

क्या हुआ है आपकी नाराज़गी क्यों चल रही है,
छोड़ भी दे दुश्मनी को उम्र भी अब ढल रही है ।

यह नहीं मालूम मुझको दोष जिसका भी रहा हो,
नफरतों की आग लेकिन बस्तियों में जल रही है।

हैं बने अब खास देखो न्याय के वे भी पुरोधा,
पीढ़ियों से कौम जिनकी जुल्म की दल दल रही है।

छोड़कर उसको बुढ़ापे में कहीं मत और जाना,
माँ तेरी हरदम से तेरे प्यार में पागल रही है।

काश उसको तुम सिखाते वह बहुत मजबूत होती,
आज बेबस जो बेचारी हाथ खुद के मल रही है।

कविता | भूपसिंह भारती

एक पेड़ मां के नाम

आओ बच्चों तुम्हें बताएं,
महिमा पेड़ महान की।
पग-पग पर ये सेवा करता,
निस्वार्थ हर इंसान की।

निकल बीज से धीरे धीरे,
पौध पेड़ में पनपता है।
फैलाकर ये बाहें अपनी,
फूलों से लदा महकता है।
पेड़ हरे फिर बाधा सारी,
देखो इस पूरे जहान की।

अपनी शीतल परछाई से,
गर्मी को दूर भगाता है।
ये मीठे-मीठे फल देकर,
मन को खूब लुभाता है।
हरदम खुशियों से भर देता
खुशियों की झोली भर दे,
ये बिन मांगे अंजान की।

कार्बनडाइऑक्साइड ले,
दे ऑक्सीजन जीवनदायी।
मरकर भी ये ईंधन देता,
जीवन इसका है फलदायी।
ये नहीं भेद करता कोई,
अद्भुत माया भगवान की।

बिन पेड़ों के होने लगे,
जग में घने अंधेरे है।
कंक्रीटों के इन जंगलों से,
बढ़ रहे प्रदूषण घेरे हैं।
जीवन बचाने को बनो कड़ी,
इस पौधगिरी अभियान की।

एक पेड़ मां के नाम पर,
जरूर लगे हर आंगन बीच।
आने वाली पीढ़ी को बचाने,
पेड़ को मन लगाकर सींच।
कहे 'भारती' तभी बचेगी,
जिंदगी भावी संतान की।

लघुकथा | सविता गोयल

फर्ज

व 'क्या फायदा इतना पढ़ लिखकर इसी देश में रहने का? इतने बड़े डॉक्टर बन गए हो तुम। विदेश में एक से बढ़कर एक मौके मिलेंगे तुम्हें आगे बढ़ने के।,

' हाँ चाचा, आगे बढ़ने के मौके तो मिलेंगे लेकिन अपने देश की सेवा करने का मौका मुझे नहीं मिलेगा। जिस देश में रहकर मैंने शिक्षा प्राप्त की है अब यहीं रहकर उस देश के प्रति अपना कर्तव्य निभाना चाहता हूँ। '

भतीजे के बात सुनकर चाचा ने गर्व से उसकी पीठ थपथपा दी।

' अगर हर बच्चा तुम्हारे जैसी सोच रखे तो हमारे देश को आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता। '

लघुकथा | शीला बड़ोदिया

वो गाय

स्कूल की घंटी बजी। नीला बोली, पावी आज मां को खाना बनाने में देर हो गई थी, इसलिए मैं टिफिन नहीं लाई हूं। घर जाकर लंच बॉक्स लेकर आते हैं। स्कूल के बाहर निकल कर पावी बोली, देखो नीला, उस गाय के पेट में कितनी बड़ी गांठ है। वह गांठ के वजन के कारण ठीक से चल भी नहीं पा रही है। हाँ पावी, बेचारी गाय को कितनी तकलीफ हो रही होगी, कितना दर्द हो रहा होगा चलने में। हम तो बोल कर अपनी तकलीफ बता सकते हैं ,लेकिन यह बेजुबान जानवर अपनी तकलीफ किस को कहे और उनकी तकलीफ कौन समझेगा । चलो नीला जल्दी चलो। लंच खत्म हो जाएगा हमें घर से टिफिन लेकर आना है। नहीं तो देर होने पर टीचर हमें डांट लगाएंगे । हां हां पावी चलो, चलते हैं। इतने में गाय उनके पीछे-पीछे भागने लगती है। आगे- आगे पावी और नीला भागते हैं। उनके पीछे-पीछे गाय भागने लगती है। पावी देखो पीछे, हां नीला, हमारे पीछे गाय भाग रही है । यह हमारे पीछे क्यों पड़ी है? हम तो इस पर दया करके उसकी बात कर रहे थे, कि इसे कितनी तकलीफ हो रही होगी, लेकिन यह तो हमारे पीछे ही पड़ गई। नीला जल्दी भागो, जल्दी नहीं तो गाय हमें मार देगी अपने बड़े-बड़े सींग से।

हमारा घर थोड़ी ही दूर रह गया है जल्दी भागो। दोनों की साँस फूल जाती हैं। दोनों नीला के घर पहुंच जाते हैं और गाय दौड़ते हुए आगे की तरफ निकल जाती है घर पहुंच कर पावी और नीला चैन की सांस लेती है । पावी आज तो हम बच ही गए। हां नीला अब हम कभी भी किसी गाय की बात नहीं करेंगे।

सविता मानती हैं कि इस आधुनिक युग में साहित्य, लोक कला और संगीत एक दायरे में सिमट कर रह गए हैं और युवा पीढ़ी की कम होती रुचि का असर सामाजिक और संस्कृति नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है। इसके जिम्मेदार हम ही हैं, जो सुविधाएं देने के नाम पर बच्चों को साहित्य, संस्कृति, और लोक कला से दूर कर रहे हैं। हास्य के नाम पर द्विअर्थी कविताएं परोसने से समाज पर बुरा असर पड़ रहा है।

साक्षात्कार | ओ.पी. पाल

आधुनिक युग में साहित्य व लोक कला एक दायरे में सिमटे: सावी

हरियाणा की संस्कृति और संस्कारों की विरासत को संजोने के मकसद से लेखक, साहित्यकार व गायक अपनी कला के हुनर से समाजिक उत्थान में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। समाज सेवा में सक्रिय ऐसी ही लेखिका सविता गर्ग लोक साहित्य और कला जैसे क्षेत्र में लेखन से संस्कृति संवर्धन करने में जुटी हैं। सविता गर्ग 'सावी' ने हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में कई ऐसे अनछुए पहलुओं को उजागर किया, जिसमें साहित्य और और संस्कारों के प्रति सकारात्मक ऊर्जा के साथ समृद्ध संस्कृति को जीवंत करने में सक्षम है।

सविता गर्ग का जन्म 3 अप्रैल 1983 को जींद के नगूरा गांव में व्यवसायी राम रत्न गोयल के घर में हुआ। माता गृहिणी हैं और घर का माहौल धार्मिक रहा। उनकी मां बहुत अच्छा गाती हैं। बचपन में मां को भजन गाते गुनगुनाते हुए सुना और उनके साथ गाते-गाते कई भजन याद हो गए। बकौल सविता गर्ग जब वह आठ साल की थी तो उनके मामा उन्हें अपने साथ गांव जाजनवाला ले गए और पढ़ाई वहीं हुई। नाना के घर भी वैसा ही माहौल मिला। वह जिस स्कूल में पढ़ती थी, वहां के हेड मास्टर पंजाब सिंह ने उन्हें गाते सुना तो स्कूल के सांस्कृतिक कार्यक्रम में गाने के लिए प्रेरित किया। इससे बालमन बड़ी आशाओं से भर गया, जिसके बाद बहुत सारे कार्यक्रमों में नृत्य और गायन दोनों किया। बचपन से ही खासकर कविताएं और कहानियां पढ़ने का शौक था। कोई कागज का लिखा हुआ लिफाफा बहुत सावधानी से खोलकर वह कागज़ के लिफाफों पर लिखी कहानियां भी पढ़ती थी। जहां कहीं कोई कागज़ का टुकड़ा मिलता, बस उसे खोलती और पढ़ती। उस वक्त साहित्य के बारे में तो कुछ भी नहीं जानती थी। वह ग्यारहवीं कक्षा में थी, तो सौभाग्य से वृंदावन जाना हुआ और बस वहीं से जीवन में एक ऐसा मोड़ आया कि घर आने के बाद बार बार वृंदावन जाने का मन करता था, लेकिन संभव नहीं था। मन के इस द्वंद्व में कब कलम हाथ में आई पता ही नहीं चला, जो लिखा है वह एक बहुत अच्छा भजन बन गया और उसके लेखन के केंद्र में कृष्ण कन्हैया ही थे। स्कूल की मैगजीन और उसके बाद कॉलेज की मैगजीन में मछोटी छोटी रचनाएं प्रकाशित हुई। इसके अलावा दहेज प्रथा, भ्रूणहत्या, नारी उत्पीड़न और भी कई विषयों पर कविताएं लिखी। सौभाग्य से एक बार उनके कॉलेज में जींद के जाने माने साहित्यकार राजेंद्र मानव गोष्ठी के उद्देश्य से आए, जिनके सामने उन्हें भी कविता पढ़ने का अवसर मिला, जिसे खूब सराहा गया। इसके बाद उन्हें गोष्ठियों में मंच पर गाने का निमंत्रण मिले, जहां से उनकी साहित्यिक गतिविधियां सार्वजनिक हुई। साहित्य और लोककला के क्षेत्र में उतार चढ़ाव भी एक जीवन का हिस्सा होता है। कुरुक्षेत्र में यूथ फेस्टिवल में पहली बार प्रस्तुति के लिए उसकी हरियाणवी नृत्य और गायन की तैयारी थी, लेकिन पिता ने जाने से इंकार कर दिया। पाबंदी की वजह से पहली बार यूथ फेस्टिवल में प्रस्तुति देने का अवसर खोना पड़ था। मन बहुत उदास था, लेकिन समझाने पर भी पापा नहीं माने, तो ऐसे में मां उनका सहारा बनी और इस आयोजन में उनकी दोनों प्रस्तुतियां शानदार रही। हरियाणवी में लेखन और गायन उनका फोकस भ्रूणहत्या, दहेज प्रथा के अलावा देश प्रेम, भाईचारा, संस्कृति व आध्यात्मिकता पर रहा है। अभी तक उनके 17 हिंदी और हरियाणवी भजन रिलीज हो चुके हैं। सविता गर्ग राष्ट्रीय कवि संगम पंचकूला इकाई की अध्यक्ष भी हैं। खास बात यह भी है कि हरियाणा साहित्य अकादमी द्वारा एकल काव्य संग्रह के प्रकाशन हेतु पाण्डुलिपत चयनित व अनुदान स्वीकृति प्राप्त सविता गर्ग हिंदी साहित्य सेवा के साथ समाज सेवा में सक्रिय हैं।

सविता मानती हैं कि इस आधुनिक युग में साहित्य, लोक कला और संगीत एक दायरे में सिमट कर रह गए हैं और खासतौर से युवा पीढ़ी की कम होती रुचि का असर सामाजिक और संस्कृति नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है। इसके जिम्मेदार हम ही हैं, जो बच्चों को साहित्य से दूर कर रहे हैं।

प्रकाशित पुस्तकें

सविता की प्रकाशित पुस्तकों में एकल काव्य संग्रह 'मेरी उड़ान' और 'मैं मीरा-सी' तथा बाल काव्य संग्रह 'प्यारी सोनपरी' सुर्खियों में हैं। इसके अलावा नशामुक्ति जैसे विषय पर आधारित संयुक्त काव्य संकलन 'ये जिंदगी है अनमोल' तथा संयुक्त काव्य संकलन 'उमंग अभिव्यक्त' में उनकी कविताएं प्रकाशित हुई हैं। राज्य की स्वर्ण जयंती के उपलक्ष्य में प्रकाशित सांझा बाल काव्य संकलन 'दुनिया गोल मटोल' में उनकी कविताओं को प्रमुखता से स्थान मिला है। उनके 17 भजन जारी हो चुके हैं। विभिन्न समाचार पत्रों पत्रिकाओं में हिंदी व हरियाणवी कविताओं व गीतों का प्रकाशन होता आ रहा है।

सविता गर्ग 'सावी'

पुरस्कार व सम्मान

उन्हें अंतरराष्ट्रीय पद्म शौर्य सम्मान, भारत गौरव सम्मान, मैथिली शरण गुप्त सम्मान, हरियाणा भूषण सम्मान, नारी शक्ति सम्मान, कोकिला रत्न सम्मान, युवा शताब्दी साहित्यकार सम्मान, निर्भया अवार्ड, मधुशाला गौरव सम्मान, अमृत महोत्सव काव्य गौरव सम्मान, हरियाणा गौरव काव्य दर्पण सम्मान, अग्र गौरव सम्मान, वूमेन वर्ल्ड रिकॉर्ड्स द्वारा वूमेन इंस्पिरेशनल अवार्ड के सम्मान प्रमुख हैं। उन्हें बिहार की संस्था विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ द्वारा विद्यावाचस्पति की मानद उपाधि से सम्मानित किया जा चुका है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम: सविता गर्ग 'सावी'
जन्मतिथि: 3 अप्रैल 1983
जन्म स्थान: गांव नगूरा, जींद(हरियाणा)
शिक्षा: स्नातक डिग्री(जन प्रशासन)
संप्रति: समाज सेविका, गायिका, स्वतंत्र लेखन

लोहिया के समाजवाद से परिचय कराती पुस्तक

पुस्तक : लोहिया के सपनों का भारत
लेखक : अशोक पंकज
प्रकाशक : राजकमल

पुस्तक समीक्षा | डॉ. जितेंद्र प्रसाद

लोहिया के बारे में लिखना संवेदनशील और गंभीर कार्य है, जिसको इस पुस्तक के लेखक ने बखूबी निभाया है। लोहिया अपने आपमें एक प्रतिरोध हैं, जिन्होंने तत्कालीन समय के राष्ट्रीय, अन्तर्राष्ट्रीय विचारधाराओं के बरक्स स्वयं की समाजवादी विचारधारा को एक विकल्प के रूप में खड़ा किया। लोहिया के समाजवाद संबंधी विचार, उनकेभाषणों, लेखो, में बिखरा हुआ है जिसे प्रो.अशोक पंकज ने संक्षिप्त पुस्तक में बड़ी सहजता के साथ पेश किया है। उम्मीद है कि इस पुस्तक के माध्यम से लोहिया के विचारों पर शैक्षणिक जगत और आमजनमानस में चर्चा-परिचर्चा एवं विमर्श की एक नई शुरूआत होगी। लोहिया के विचारों को आमजनमानस तक पहुँचाना लेखक का एक प्रमुख उद्देश्य है, जिसमें वे सार्थक हुए हैं। इस पुस्तक में लेखक ने लोहिया के समाजवाद के विचारों को सैद्धांतिक, वैचारिक एवं अन्य पहलुओं को पांच खंडों में प्रस्तुत किया है। पहला खंड, लोहिया के समाजवाद की रूपरेखा है; दूसरा खंड, लोहिया के सैद्धांतिक पहलुओं, जिसमें समता से संपन्नता, सिविलनाफ़रमानी से लोकतंत्र को बताया गया है; तीसरा खंड, लोहिया के वैचारिक पहलू; चौथे खंड में व्यावहारिक पहलू, तथा पांचवें खंड में उनके विचारों की समसामयिकता का विश्लेषण किया गया है ।

लेखक ने पुस्तक में लोहिया के विचारों के सैद्धांतिक पहलुओं को प्रस्तुत करने के साथ उनके विचारों का भविष्य में क्या आधार होगा, यह संभावना भी तलाशी है।

प्रो.पंकज ने पुस्तक में लोहिया के सपनों के भारत का महत्वपूर्ण स्तंभ 'चौखंभा राज' की अवधारणा को सरल तरीके से व्याख्या की है, जिसमें लोहिया सत्ता का विकेंद्रीकरण करना चाहते हैं। लेखक ने राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रति व्यक्ति आय में असमानता, बढ़ती गरीबी, जातीय एवं वर्ग भेद, शिक्षा एवं स्वास्थ्य के सुविधाओं की कमी रोजगार का संकट के आँकड़ों को प्रस्तुत कर यह साबित किया है कि,'लोहिया के सपनों का भारत' का निर्माण अधूरा है और उसके लिए उनके विचारों को समझाने एवं कार्यक्रमों को सही संदर्भों में लागू करने पर बल दिया है । लेखक 'लोहिया के सपनों का भारत' के निर्माण को समसामयिक राजनीतिक परिदृश्य से गायब पातेहैंऔर उसे साकार होने की उम्मीद के रूप में देखते हैं। उन उम्मीदों में इस पुस्तक की प्रासंगिकता है और इसकी सार्थकता भी।

खबर संक्षेप

महेंद्रगढ़। पूर्व मंत्री के चित्र पर पुष्पार्पित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

पूर्व मंत्री की पुण्यतिथि पर करवाया हवन

महेंद्रगढ़। हरियाणा के पूर्व ग्रामीण विकास एवं पंचायत मंत्री स्वर्गीय राव दलीप सिंह की 23वीं पुण्यतिथि पर उनके बेटे राजेंद्र राव राजू ने उनकी समाधि पर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर परिवार के सभी लोगों ने घर पर हवन करवाया। गौरतलब है कि स्वर्गीय राव दलीप सिंह अपने जीवन काल में हरियाणा सरकार में चार बार मंत्री एवं विधायक रहे। उन्होंने अपने जीवन काल में हमेशा ईमानदारी के साथ कार्य किया। इसलिए लोग उनको आज भी याद करते रहते हैं। उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में पूर्व को-आपरेटिव बैंक चेयरमैन रामकुमार यादव, मुकेश सरपंच मेघनवास, दिनेश मांडोला, ठेकेदार शकुंत कुराहवटा, जोगेंद्र पटवारी रिवासा, महेंद्र पंसारी, बाली मेघनवास, कृष्ण चेयरमैन एवं राजेश गुप्ता मौजूद रहे।

90 वर्षीय शिक्षाविद् रतनलाल का निधन

महेंद्रगढ़। गांव सिसोठ निवासी 90 वर्षीय मास्टर रतनलाल का शनिवार को आकस्मिक निधन हो गया। वे एक महान शिक्षाविद थे। वे धार्मिक विचारों के व्यक्ति थे और

हमेशा गरीबों की मदद करते थे और सदा बच्चों को पढ़ने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते थे। वो अपने पीछे अपनी पत्नी, तीन पुत्र, तीन पुत्रवधु, पांच पोते, पांच पोत्रवधु, एक पोती, एक पड़पोता और पांच पड़पोती सहित भरा पूरा परिवार छोड़कर प्रभु चरणों में लीन हो गए। उनकी अंतिम यात्रा में क्षेत्र के अनेक धार्मिक, राजनेतिक और सामाजिक लोग शामिल हुए।

मास्टर बलीसिंह बोहरा का निधन

महेंद्रगढ़। गांव सुंदरह निवासी 85 वर्षीय मास्टर बलीसिंह बोहरा का आकस्मिक निधन हो गया। वे 38 वर्ष तक विभिन्न सरकारी शिक्षण

संस्थानों में शिक्षण कार्य करते रहे तथा धार्मिक, सामाजिक कार्यों में गहन रुचि लेकर बढ़-चढ़कर भाग लेते थे। उन्होंने गांव के स्कूल में दो कमरों का निर्माण कराने, यादव धर्मशाला महेंद्रगढ़, गौशाला भोजावास तथा अमर शहीद राव तुलाराम की मूर्ति महेंद्रगढ़ की स्थापना कराने में अपना प्रशंसनीय आर्थिक योगदान देकर अपने सामाजिक एवं धार्मिक आस्था का परिचय दिया। उनकी इस प्रकार की जनहितैषी भावना का परिणाम था कि उनके लड़के तथा पुत्रवधु को गांव के सरपंच पद पर आसीन होने का अवसर मिला। वे अत्यधिक मिलनसार, बेबाकी से अपनी बात रखने वाले व्यक्ति थे। वे अपने पीछे दो पुत्र तथा चार पुत्रियां, पोते-पोतियों से भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में निकाली प्रभातफेरी

श्री कृष्ण गोबिंद हरे मुरारी हे नाथ नारायण वासुदेवाय के भजन पर झूमे श्रद्धालु

हरिभूमि न्यूज. नारनौल

आषाढ़ सुदी दुर्गा अष्टमी के पावन अवसर पर प्रभात फेरी संगठन की ओर से हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी नसीबपुर से 87वीं प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। प्रभात फेरी के मुख्य यजमान रोहतास गोयल, मनोज गोयल, प्रवीण गोयल परिवार ने ठाकुर जी को पुष्प अर्पित व निशान पूजन करके प्रभात फेरी का शुभारंभ किया। प्रभात फेरी संगठन के संस्थापक घनश्याम गर्ग के नेतृत्व में आयोजित की गई।

इस अवसर पर प्रभात फेरी संगठन के सदस्य संदीप गोयल ने श्री कृष्ण गोबिंद हरे मुरारी हे नाथ नारायण वासुदेवाय के भजन पर झूमे श्रदालु व राधे नाम संकीर्तन भजन के माध्यम से प्रभातफेरी का शुभारंभ किया। फेरी मुख्य यजमान के निवास स्थान से आरंभ होकर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के प्रमुख मार्गों से होकर शुभारंभ स्थल पर पहुंचकर संपन्न हुई। संस्था के गोशाला प्रमुख नवीन जैन ने बताया कि प्रभात फेरी में बड़ी उत्सुकता से ठाकुर जी का स्वागत किया गया। संस्था के सदस्य हेमू पटियाला ने बताया कि प्रभात फेरी में ठाकुर जी को अर्पित होने वाली समस्त धनराशि शहर की गोशाला में दी जाती है। इस मौके पर संगठन के वरिष्ठ सदस्य मनिंद्र सैनी, सुभाष गर्ग, हेमंत अग्रवाल, योगेश बंसल, मनोज गोयल, सीताराम चौबे, पवन कुमार गुप्ता, जोगिंद्र अग्रवाल, सुभाष गर्ग, हर्ष गर्ग, संदीप गुप्ता, अमित मित्तल, सुमंत बंसल, संजय गोयल, आशु गोयल, सतीश शर्मा, सुनील शर्मा, अमित गोयल, भूपेश संघी, सुनील मराठा, विनोद मराठा, गौतम शर्मा, राजीव पटीकरा, सोमदेव शर्मा, सुरेश मास्टर, ओमप्रकाश कोकचा, सतीश शर्मा, नवीन जैन, दीपचंद, राजकुमार, संजय कुमार, राकेश पटवारी, रजनी गर्ग, वंदना सैनी, सुमन सैनी, जया देवी, बबीता गर्ग, पिंकी, ममता गोयल, रश्मि गोयल, पुष्पा गोयल, अंबिका, पूजा आदि सहित काफी संख्या में भक्तजन मौजूद थे। अंत में आरती के पश्चात अमृतमई प्रसाद वितरित किया गया।

नारनौल। हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में प्रभात फेरी निकालते लोग। फोटो : हरिभूमि

नारनौल। प्रभात फेरी निकालते श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

राधा कृष्ण संगठन ने निकाली 78वीं प्रभात फेरी

नारनौल। श्री राधा कृष्ण प्रभात फेरी संगठन के तत्वावधान में रविवार को नगर में निष्काम भाव से राधा नाम की अलख जगाने के लिए 78वीं प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। यह प्रभात फेरी यजमान अर्जुन लाल शर्मा एडवोकेट पूर्व प्रधान गौड़ ब्राह्मण सभा के निवास स्थान से प्रारंभ होकर नई कॉलोनी, पुरानी सराय से निकलकर सैन चौक, नई सराय होते हुए मोहल्ला जमालपुर में परिक्रमा करके उनके निवास स्थान पर ही संपन्न हुई। इससे पूर्व प्रभात फेरी का आगाज यजमान ने परिवार सहित ठाकुर जी की आरती करके व धर्म प्रेमी बंधुओं को चंदन का तिलक लगाकर किया। फेरी में सैकड़ो की संख्या में पहुंचे पुरुष, महिलाएं, बच्चों ने ढोल नगाड़ों की थाप पर राधे राधे का गुणगान किया। बरसाना के श्री लाड़ली जी के महल में होने वाले रास की तरह अनुभव करते हुए राधा संकीर्तन रथ के साथ नाम जाप करते हुए परिक्रमा मार्ग में लोगों ने नाच गाकर प्रातः काल में पूरे वातावरण को गूंजायमान कर दिया। ऐसे लग रहा था कि जैसे साक्षात श्री ठाकुर जी महाराज प्रभात तेरी की अगुवाई कर रहे हो और पृथ्वी का प्रत्येक प्राणी उनके स्वागत में जयकारे लगा रहे हो। इस दौरान लोगों ने शहर की गलियों को वृंदावन की कुंज गलियों की तरह भक्ति के रंग में रंग दिया। अंत में रामधुन के साथ सभी ने जयकारे लगाए व आरती कर प्रसाद वितरित किया गया।

महेंद्रगढ़। मीटिंग करने के बाद उपस्थित विद्यालय स्टाफ। फोटो : हरिभूमि

मॉडर्न स्कूल भोजावास में अभिभावक-अध्यापक बैठक आयोजित

महेंद्रगढ़। मॉडर्न वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भोजावास में अभिभावक-अध्यापक बैठक का आयोजन किया गया। इस अभिभावक-अध्यापक बैठक में 376 अभिभावक पहुंचे। सभी अभिभावकों ने अपने बच्चों की जुलाई महीने के रिवीजन टेस्ट की रिपोर्ट उनके कक्षा अध्यापक से प्राप्त की। अभिभावकों ने अपने बच्चों की पढ़ाई से संबंधित समस्याओं के बारे में अध्यापकों से बात की। संस्था निदेशक हवासिंह यादव ने अभिभावकों को विश्वास दिलाया कि आपने अपने बच्चों की पढ़ाई से संबंधित व अन्य समस्याएं बताई है। हम उन समस्याओं का हर हाल में समाधान करेंगे। इस मौके पर संस्था प्रबंध समिति सदस्य मनोज कुमार, नवीन कुमार, सोनिका देवी, प्राचार्य अनिल कुमार, वरिष्ठ अध्यापक रामसिंह, राकेश कुमार, वरिष्ठ अध्यापिका शकुंत शहरावत तथा समस्त स्टाफ सदस्य उपस्थित थे।

छात्रा अंगीता यादव ने सातवां एवं नरवीर ने पाया आठवां स्थान

महेंद्रगढ़। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर द्वारा स्नातकोत्तर स्तर की परीक्षा एमए इंग्लिश द्वितीय सेमेस्टर के परिणाम में सूरज कॉलेज के विद्यार्थियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा। कॉलेज निदेशक संदीप प्रसाद ने भी परिणाम पर खुशी जाहिर करते हुए विद्यार्थियों अभिभावकों व शिक्षकों को बधाई

अंगीता

नरवीर

देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए कामना की। संदीप प्रसाद ने बताया कि एमए इंग्लिश द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा अंगीता यादव पुत्री अर्जुन गर्ग गांव सीहा ने 7.41 एसजीपीए लेकर पूरे विश्वविद्यालय में सातवां स्थान प्राप्त करते हुए कॉलेज में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी कोर्स का छात्र नरवीर यादव पुत्र जयप्रकाश निवासी बवाना ने 7.41 एसजीपीए लेकर पूरे विश्वविद्यालय में आठवां एवं कॉलेज में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वहीं कॉलेज के अधिकांश विद्यार्थी प्रथम श्रेणी के साथ उत्तीर्ण होने में सफल रहे। कॉलेज प्राचार्य डॉ. सुधाकर गुप्ता ने बताया कि कॉलेज का श्रेष्ठ परिणाम विद्यार्थियों के कठोर परिश्रम व शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने बताया कि कॉलेज के विद्यार्थी किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं है।

यदुवंशी कॉलेज के तीन विद्यार्थी एमए अंग्रेजी में रहे विवि की टॉप-10 सूची में

महेंद्रगढ़। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर रेवाड़ी की ओर से एमए अंग्रेजी दूसरे सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया, जिसमें यदुवंशी डिग्री कॉलेज के एमए अंग्रेजी विभाग के तीन विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय की टॉप-10 सूची में स्थान बनाया। इस परीक्षा परिणाम में सभी विद्यार्थी उत्तीर्ण रहे। यदुवंशी कॉलेज की छात्रा उज्ज्वल फौगाट पुत्री मनोज फौगाट ने 68.3 प्रतिशत अंक लेकर पूरे विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया। इसी प्रकार सुषमा पुत्री राकेश ने 66 प्रतिशत अंक लेकर दूसरा व गायित्री चौहान पुत्री अजीत कुमार ने 64 प्रतिशत अंक लेकर तीसरे स्थान पर कब्जा किया। इस प्रकार यदुवंशी कॉलेज के विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय की टॉप-10 सूची में प्रथम तीन स्थानों पर कब्जा करके न केवल अपना नाम रोशन किया, बल्कि अपने माता-पिता के साथ-साथ यदुवंशी कॉलेज का भी नाम रोशन किया। यदुवंशी कॉलेज के चेयरमैन पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनकी मेहनत की सराहना की और भविष्य में भी इस प्रकार के परीक्षा परिणाम प्राप्त करते रहने के लिए प्रेरित किया। वाइस चेयरमैन एडवोकेट कर्णसिंह यादव, चेयरपर्सन संगीता यादव, संस्था डायरेक्टर विजय सिंह यादव, निदेशक राजेंद्र यादव, डॉ. प्रदीप यादव, कॉलेज प्राचार्य बबरुभान यदुवंशी डिग्री कॉलेज के समस्त स्टाफ ने भी सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

महेंद्रगढ़। परीक्षा पास करने वाली छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

नवयुग तरूण मंडल के पुनः अध्यक्ष बने शुभम

नारनौल। युवाओं की अग्रणी संस्था नवयुग तरूण मंडल की आम बैठक में सदस्यों ने राजकीय महाविद्यालय के पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष शुभम कौशिक को पुनः संस्था का अध्यक्ष सर्वसम्मति से चुन लिया। इस अवसर

पर संस्था के संरक्षक मास्टर हरिकिशन गौड़ ने बताया कि शुभम कौशिक ने समय समय पर युवाओं की बातों को पुरजोर तरीके से उठाया है एवं सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ आवाज उठाई है, इसलिए कौशिक को संस्था का सर्वसम्मति से अध्यक्ष बनाया गया है।इस अवसर पर नवनिर्वाचित अध्यक्ष शुभम कौशिक ने कहा कि जो जिम्मेदारी पुनः संगठन ने दी है, उसे पूरी निष्ठा व ईमानदारी से निभाएंगे तथा और अधिक ऊर्जा के साथ संस्था के संस्थापक स्व. सचिन कौशिक के विचारों को आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगे।

पर्यावरण सखी कार्यक्रम के तहत रोपे 1101 फलदार पौधे

- आने वाली पीढ़ी को हम स्वच्छ वातावरण का सबसे बड़ा तोहफा दे सकते हैं: डॉ. पवित्रा राव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

बाबा गुदड़िया आश्रम माधोगढ़ में हस्ती देवी जनकल्याणार्थ समिति द्वारा चलाए जा रहे पर्यावरण सखी कार्यक्रम के तहत पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान समिति की ओर से 1101 पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि समिति अध्यक्षता डॉ. पवित्रा राव रही, जबकि अध्यक्षता आश्रम के महंत बाबा नोमीनाथ ने की।

डॉ. पवित्रा राव ने कहा कि बढ़ते पर्यावरण असंतुलन को देखते हुए प्रत्येक मानव को इस बरसात के मौसम में एक-एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल की जिम्मेदारी लेनी चाहिए, ताकि अपने साथ-साथ आने वाले पीढ़ी को स्वच्छ वातावरण का लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि आने वाले पीढ़ी को हम स्वच्छ वातावरण का सबसे बड़ा तोहफा दे सकते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महंत नोमीनाथ ने हस्ती देवी जनकल्याणार्थ समिति चलाए जा रहे पर्यावरण संरक्षण व किए जा रहे जनहित के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि प्रकृति के सुंदर रूप का आनंद हर किसी को आकर्षित करने वाला होता है। वृक्ष हमारे अच्छे मित्र होते हैं।

हमें मित्रता निभाते हुए इनको बढ़ावा देना चाहिए तथा उनकी सुरक्षा के लिए भी कदम उठाने चाहिए। इस दौरान समिति की ओर से आश्रम व आसपास के पहाड़ी क्षेत्र में समिति की ओर से 1101 फलदार, छायादार पौधे लगाए गए। कार्यक्रम में बाबा गुदडिया आश्रम के प्रधान मुकेश कुमार, सदस्य विजय कुमार, मुनीम, समिति प्रवक्ता मनोज यादव व अन्य काफी उपस्थित लोगों ने पौधरोपण कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

महेंद्रगढ़। आश्रम में पौधरोपण करते समिति सदस्य। फोटो : हरिभूमि

अग्निवीर योजना से युवाओं में बढ़ रहा है मानसिक तनाव सामाजिक तानाबाना बिगड़ने का खतराः विनय यादव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं रिटायर्ड आईएएस विनय यादव ने भोजावास, मूलोदी, इकबालपुर नंगली में जनसंपर्क किया है। उन्होंने ग्रामीणों को भाजपा सरकार की युवा विरोधी नीतियों से अवगत कराया। कहा कि अग्निवीर योजना युवाओं में मानसिक तनाव बढ़ा रही है। जिससे सामाजिक ताना-बाना बिगड़ने का खतरा उत्पन्न हो गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने दो करोड़ युवाओं को हर साल सरकारी नौकरी देने का वादा बीते चुनावों के किया था।

लेकिन सत्ता मिलने के बाद रोजगार संबंधी कोई योजना नहीं बनाई गई। कोविड काल में हजारों व्यवसायिक संस्थान बंद हो गए, जिस कारण लाखों लोग बेरोजगार हो गए। उन्हें राहत देने की अपेक्षा सरकार ने अग्निवीर योजना क्रियावित करके युवाओं का एक अलग ही वर्ग बना दिया। क्योंकि चार साल सेना में नौकरी करने के बाद फिर उन्हें रोजगार की चिंता सताने लगी है। इतना ही नहीं सरकार ने शहादत को भी दो वर्गों में विभाजित कर दिया। अग्निवीर जवान को शहीद जैसी सुविधाएं नहीं मिलती, जिस कारण सैनिकों का मनोबल टूटने लगा है।

उन्होंने कहा कि परिवार पहचान पत्र सभी परिवारों के लिए समस्या बना हुआ है। दफ्तरों में महीनों चक्कर काटने के बावजूद कभी इनकम वेरीफाई नहीं होती तो कभी नाम दुरुस्त नहीं होता। परिवार का एक सदस्यत तो कंप्यूटर सेंटर या कार्यालयों में कतारबद्ध खड़ा रहता है। प्रदेश के पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कांग्रेस सरकार बनने पर पीपीपी दस्तावेज की अनिवार्यता खत्म करने का वादा किया है। जिससे आमजन को राहत मिलेगी तथा सरकार की योजनाओं का लाभ सुगमता से मिलने लगेगा।

नांगल चौधरी। भोजावास में ग्रामीणों से जनसंपर्क करते हुए कांग्रेसी नेता विनय यादव। फोटो : हरिभूमि

नारनौल। ग्रामीणों को संबोधित करते प्रदीप यादव एडवोकेट। फोटो : हरिभूमि

नारनौल जोड़ो संकल्प यात्रा से जुड़ रहा हर आमजन : प्रदीप

नारनौल। नारनौल जोड़ो संकल्प यादव से हर आमजन का जुड़ाव हो रहा है। वह जिस भी गांव में जा रहे है, लोगों का स्नेह व लगाव देखने को मिल रहा है। अब कांग्रेस के लिए मंजिल दूर नहीं है। हर तबका विधानसभा चुनाव का इंतजार कर रहा है ताकि भाजपा की नीतियों का वोट के दम पर विरोध कर सके। यह बात रविवार कांग्रेसी नेता प्रदीप यादव एडवोकेट ने नारनौल जोड़ो संकल्प यात्रा के तहत ग्रामीणों से कही। इस दिन यात्रा की शुरूआत सुबह आठ बजे गांव डोहर खुर्द से हुई। इसके बाद गांव डोहर कला, मोहनपुर, चिंडालिया, नांगल कठा, बापरौली, खोडमा, जैलाफ, जाखनी, महरमपुर, धरसु, मंडलाना, किरारोद, सिलारपुर मेहता, निवाजनगर, हाजीपुर, बॉस किरारोद, लहरोदा और शाम साढ़े पांच बजे गांव नसीबपुर पहुंचेगी। इस यात्रा के दौरान ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि हिरयाणा मांगे हिसाब अभियान के तहत जनता को भाजपा से 10 वर्षों के कार्यकाल का हिसाब मांगने को कहा। भाजपा के पास सफिं विफलता ही मिलेगी।

जननायक जनता पार्टी की जिला स्तरीय कार्यकर्ता मीटिंग 20 को

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

नारनौल के सीताराम मैरिज प्लेस में 20 जुलाई को जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित होगा। जिसमें प्रदेश के पूर्व डप्टि सीएम दुष्यंत चौटाला मुख्य रूप से मौजूद रहेंगे। कार्यकर्ता सम्मेलन को सफल बनाने के लिए पूर्व हलका प्रधान हजारीलाल लंबोरा, लीगल सेल के जिला प्रधान प्रमोद ताखर ने भुंगारका, सिरोही बहाली, अकबरपुर, सिलारपुर में जनसंपर्क करके ग्रामीणों को निमंत्रण दिया है। उन्होंने कहा कि जननायक जनता पार्टी पूर्व उपप्रधानमंत्री चौधरी देवीलाल के सद्धिांतों का अनुसरण करती है।

उन्होंने विषम परस्थितियों में भी किसान व गरीब वर्ग के हितों के लिए संघर्ष करना नहीं छोड़ा था। दुष्यंत चौटाला भी राजनीतिक पराजय से हार मानने वाले नहीं। क्योंकि पराजय से संगठन को और मजबूत करने की नसीहत मिलती है। जिला स्तरीय मीटिंग में कार्यकर्तओं से चुनावी समीक्षा की जाएगी। इसके बाद विधानसभा चुनाव को मजबूती से की रूपरेखा बनाई जाएगी। नांगल चौधरी हलके से डॉ चौधरी अजय चौटाला का विशेष लगाव रहा है। उन्होंने राजनीति कैरियर की शुरूआत नांगल चौधरी हलके से पैदल यात्रा शुरू करके की थी। कार्यकर्ताओं को चुनावी तैयारी करने के टप्सि दिए जाएंगे। इस मौके पर कुलदीप, धर्मपाल, सियाराम, नपा पार्षद कवर सिंह जाखड़, चैनसुख तोताहेड़ी, राजेश कुमार, अजय कुमार, मनोज कुमार, बल्लिू कुमार मौजूद रहे हैं।

नांगल चौधरी। सिरोही बहाली में कार्यकर्ता सम्मेलन का निमंत्रण देते जजपा नेता।

भाजपा शिक्षण संस्थान का कर रहीं है दुरुपयोग

भाजपा के कार्यकाल में महेंद्रगढ़ विस क्षेत्र में नहीं हुआ विकास कार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

गृहमंत्री अमित शाह 16 जुलाई को केंद्रीय वश्विवद्यिालय में होने वाले बीसी सम्मेलन में शिरकत करने के लिए पहुंच रहे हैं। भाजपा की सरकार बनने के बाद गृहमंत्री का महेंद्रगढ़ में यह पहला दौरा होगा। महेंद्रगढ़ की जनता ने केंद्र व प्रदेश में भाजपा की सरकार बनाने में हमेशा अपना सहयोग दिया है। लेकिन बड़े दुर्भाग्य की बात है कि इसके बाद भी भाजपा के 10 वर्ष के कार्यकाल के दौरान महेंद्रगढ़ विधानसभा क्षेत्र में कोई विकास कार्य नहीं हुआ।

उपरोक्त बातें आप उपाध्यक्ष डॉ. मनीष यादव ने अपने कार्यालय में पत्रकारवार्ता में कही। डॉ. मनीष यादव ने कहा कि भाजपा नेताओं को अपनी नाकामी छुपाने के लिए वश्विवद्यिालय में चारदीवारी के अंदर अपने कार्यक्रम कर रही है, ताकि जनता उनसे सवाल न पूछ सके। अगर आगामी विधानसभा चुनावों से पहले महेंद्रगढ़ विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्य शुरू नहीं कराए तो भवष्यि में भाजपा अन्य नेताओं अन्य स्थानों पर महेंद्रगढ़ का बोर्ड लगाकर कार्यक्रम करने पड़ेंगे। भाजपा नेताओं ने चुनाव के दौरान जनता से काफी वादे किए थे, लेकिन अभी तक भाजपा नेता एक वादा पूरा नहीं कर पाए। उन्होंने गृहमंत्री से मांग है कि प्रदेश सरकार के बचे हुए कार्यकाल में महेंद्रगढ़ की लंबित मांगों को पूरा कराया जाएगा।

डॉ. मनीष यादव ने सांसद धर्मबीर सिंह व पूर्व शक्षिामंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा पर तंज कसते हुए कहा कि चौधरी धर्मबीर सिंह व प्रो. रामबिलास शर्मा दोनों नेताओं ने चुनाव से पहले महेंद्रगढ़ में जिला मुख्यालय स्थापित कराने की बात कही थी, लेकिन सरकार बनने के बाद दोनों नेताओं की ओर से कोई प्रयास नहीं किया गया। क्षेत्र के विभन्नि सामाजिक संगठनों की ओर से समय-समय पर जिला मुख्यालय के मांग उठाते आए है, लेकिन भाजपा नेताओं की ओर से जनता की आवाज सरकार तक नहीं पहुंचाई। सर्फि चौधरी धर्मबीर व रामबिलास शर्मा ने जिला मुख्यालय के नाम जनता से वोट हासिल किए है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की ओर से वर्ष 2019 के चुनाव से पहले गांव खुडाना में आईएमटी की घोषणा की थी, लेकिन पांच साल में आईएमटी के लिए कोई प्रयास नहीं किए।

कुछ समय बाद प्रदेश में विधानसभा चुनाव होने वाले है। ऐसे में जनता को गुमराह करने के लिए भाजपा नेताओं की ओर से एक बार फिर से आईएमटी के झूठे सपने दिखाने शुरू कर दिए हैं। डॉ. मनीष यादव ने कहा कि भाजपा सरकार की ओर से महेंद्रगढ़ विधानसभा में करीब 10 बड़ी घोषणाएं की थी। लेकिन अभी तक भाजपा सरकार की कोई भी योजना धरातल पर नहीं उतर पाई।

महेंद्रगढ़। पत्रकार वार्ता करते डॉ. मनीष यादव। फोटो : हरिभूमि

खबर संक्षेप

वेतन बढ़ोतरी को लेकर आज से हुंकार भरेंगे लिपिक

महेंद्रगढ़। क्लेरिकल एसोसिएशन वेलफेयर सोसायटी की ओर से मूल वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर आंदोलन की रणनीति तैयार कर ली है। लिपिक वर्ग की ओर से सोमवार को जिला मुख्यालय पर धरना दिया जाएगा। वहीं प्रदेश के तीन जिलों से करनाल के लिए साईकिल यात्रा निकाली जाएगी। क्लेरिकल एसोसिएशन के पूर्व राज्य महामंत्री अमित यादव ने बताया कि अगर उनकी मांगों पर 14 जुलाई तक ठोस कदम नहीं उठाए जाते तो 15 जुलाई से चंडीगढ़-पंचकूला पैदल व साइकिल यात्रा के द्वारा कूच करेंगे और जिला स्तर पर धरने दिए जाएंगे।

बहुजन समाज पार्टी ने किया पार्टी संगठन का विस्तार

महेंद्रगढ़। बहुजन समाज पार्टी महेंद्रगढ़ की विधानसभा स्तरीय बैठक रविदास मंदिर में आयोजित की गई, जिसमें संगठन का विस्तार करते हुए सतवीर जोनावास को विधानसभा अध्यक्ष, विजय सैन विधानसभा उपाध्यक्ष, रामकिशन नंगला व जयभगवान ग्रेवाल को विधानसभा प्रभारी, मुकेश कुमार बहुजन वालिंटियर फोर्स संयोजक मनोनीत किए गए। जिला अध्यक्ष प्रमोद कटारिया ने पार्टी चिह्न के पटके पहनाकर नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी व इंडियन नेशनल लोकदल पार्टी का मजबूत गठबंधन बना है।

मंडल अध्यक्षों की बैठक संपन्न

नारनौल। पिछड़ा वर्ग सामान समारोह 16 जुलाई को केंद्रीय वश्विवद्यिालय पाली में होगा। जिसमें मुख्य अतिथि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह होंगे। कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडोली, ओबीसी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष करण देव कंबोज, केंद्रीय मंत्री, प्रदेश मंत्री व विधायक मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम हेतु सभी मंडल अध्यक्षों की जम्मिवारियां सुनश्चिति की गई। बैठक की अध्यक्षता कर रहे जिला अध्यक्ष दयाराम यादव ने कहा कि सभी मंडल अध्यक्ष अधिक से अधिक संख्या में पिछड़ा वर्ग के लोगों को लेकर कार्यक्रम में पहुंचे। उन्होंने कहा कि तीसरी बार हरियाणा में भाजपा सरकार बनाने में आप सभी का योगदान अहम भूमिका अदा करेगा।

मांगों को लेकर सांसद को सौंपा ज्ञापन

महेंद्रगढ़। गांव सुंदरह में दैनिक रेलयात्री महासंघ व विभन्नि संगठनों के लोगों ने तीन मांगों को लेकर केंद्रीय मंत्री राव इंदजीत व भिवानी-महेंद्रगढ़ सांसद चौ. धर्मबीर सिंह को ज्ञापन सौंपा। दैनिक रेलयात्री महासंघ अध्यक्ष रामनिवास पाटोदा ने बताया कि गाड़ी संख्या 12323-24 हावड़ा से बाडमेर एक्सप्रैस सप्ताह में दो दिन महेंद्रगढ़ के अमृत स्टेशन पर ठहराव किया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि महेंद्रगढ़ शहर के आसपास छोटे-छोटे कई शहर लगते हैं। केंद्रीय वश्विवद्यिालय में पूरे भारतवर्ष से वद्यिार्थी शक्षिा ग्रहण करने आते हैं। रेवाड़ी जिले में देश का सबसे बड़ा एम्स का नर्मिाण चल रहा हैं।

धमाकेदार एंट्री के बाद कमजोर पड़ा मानसून, तापमान में बढ़ोतरी होने से लोग गर्मी से हुए परेशान, 17 से फिर मानसून सक्रिय होने की संभावना

नितेश कुमार ▶▶| नारनौल

हरियाणा एनसीआर दिल्ली के साथ जिले में मानसून की धमाकेदार शुरूआत के बाद मानसून लगातार कमजोर पड़ा हुआ है। जिसके चलते मानसून में सक्रियता देखने को नहीं मिल रही है। बता दें कि इस साल प्रदेश में एक जून से 12 जुलाई के दौरान कुल 77.5 एमएम बारिश दर्ज हुई है, जबकि इस दौरान सम्पूर्ण प्रदेश में 106.7 मिलीमीटर सामान्य बारिश दर्ज की जाती है, जो सामान्य से 27 प्रतिशत कम दर्ज हुई है। वहीं दूसरी ओर मानसून कमजोर पड़ने के बाद तापमान में भी लगातार बढ़ोतरी हो रही है। जिससे बढ़ती गर्मी ने लोगों को फिर से परेशानी में डाल दिया है। जिले में रविवार को अधिकतम तापमान 38 डिग्री व न्यूनतम तापमान 27.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हालांकि बीच बीच में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से हरियाणा एनसीआर दिल्ली में मानसून बारिश देखने को मिल रही है, लेकिन राज्य पर मानसून निष्क्रिय बना हुआ है, क्योंकि मानसून टर्फ रेखा लगातार अपनी सामान्य स्थिति से पहले नीचे व अब उत्तर में बनी हुई है। इसके अलावा बंगाल की खाड़ी पर भी अभी तक कोई विशेष हलचल नहीं बनी है। वर्तमान परिदृश्य में हरियाणा एनसीआर दिल्ली पर केवल छोटे छोटे टुकड़ों में बारिश की गतिविधियां देखने को मिल रही है। वहीं जिला महेंद्रगढ़ में एक जून से 12 जुलाई तक कुल 165.6 एमएम बारिश हुई है, जबकि इस दौरान सामान्य 104 एमएम बारिश होती है, जो सामान्य से 59 प्रतिश अधिक है।

पांच जिलों में सामान्य से अधिक बारिश

मौसम विभाग से मिले आंकड़ों के अनुसार अभी तक केवल छह जिलों फतेहाबाद में 68 प्रतिशत, गुरुग्राम में 15 प्रतिशत, नूंह मेवात में 68 प्रतिशत, सिरसा 20 प्रतिशत, महेंद्रगढ़ में 59 प्रतिशत और रेवाड़ी में दो प्रतिशत सामान्य से अधिक बारिश दर्ज हुई है जबकि प्रदेश के 16 जिलों में सामान्य से कम बारिश हुई है। जिसमें पंचकूला में सामान्य से 79 प्रतिशत कम, अंबाला में 69 प्रतिशत कम, यमुनानगर में 72 प्रतिशत, कुरूक्षेत्र में 52 प्रतिशत कम, कैथल में 68 प्रतिशत कम, जींद में 35 प्रतिशत कम, करनाल में 83 प्रतिशत कम, पानीपत में 43 प्रतिशत कम, सोनीपत में 51 प्रतिशत कम, रोहतक में 56 प्रतिशत कम, झज्जर में 07 प्रतिशत कम, चरखी दादरी में 49 प्रतिशत कम, हिसार में 12 प्रतिशत कम, भिवानी में 8 प्रतिशत कम, फरीदाबाद में 13 प्रतिशत कम तथा पलवल में सामान्य से 21 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई है।

क्या कहते है मौसम विशेषज्ञ

इस बारे में मौसम विशेषज्ञ डा. चंद्र मोहन ने बताया कि जलवायु परिवर्तन व मानव के अमानवीय व्यवहार तथा कृत्यों वनों की कटाई, नगरीकरण, खनन, परिवहन के साधनों में वृद्धि, ग्रीन हाउस प्रभाव, ग्लोबल वार्मिंग के साथ जमीन से उठने वाली खतरनाक गैस व गर्म हवा के उठकर ऊपर जाने की वजह से एक समान बारिश का मानसूनी मौसम नहीं बन पा रहा है। जिसकी वजह से मानसून धीरे धीरे निष्क्रिय व सुस्त पड़ा हुआ है। मानसून के बादल तो पूरे क्षेत्र में एक साथ आ रहे हैं, लेकिन जमीन का तापमान इसे खंड वर्षा में तब्दील कर रहा है। लगातार बंगाल की खाड़ी से आने वाली अधिक शक्तिशाली मानसून हवाएं धीमी पड़ी हुई है। जिसकी वजह से हरियाणा एनसीआर दिल्ली पर मानसून कमजोर पड़ गया है।

17 से हरियाणा एनसीआर दिल्ली में मानसून की वापसी की संभावना

मौसम विभाग के अनुसार बंगाल की खाड़ी पर कम दबाव वाले क्षेत्र के विकसित होने की प्रबल संभावना बन रही है। जिससे मानसून में सक्रियता आने की संभावना बन रही है। अगर अनुकूल परिस्थितियां बनी रहती है तो 15 जुलाई को बंगाल की खाड़ी पर निम्न दबाव क्षेत्र बन सकता है। जिससे दक्षिणी पूर्वी मानसून की शाखा गति पकड़ सकतीं हैं। इसके साथ अरब सागर से पश्चिमी धारा भी गति प्रदान करेंगी। जिससे राजस्थान, पंजाब व हरियाणा एनसीआर दिल्ली सहित उत्तरी भागों में अगले सप्ताह यानी 17 से 25 जुलाई के दौरान हरियाणा एनसीआर दिल्ली में मानसून की वापसी की संभावना बन रही है।

सुंदरह में शहीद कर्णसिंह की प्रतिमा का किया अनावरण

अंबाला में शहीद स्मारक बन गया, लेकिन नसीबपुर में नहीं बना, खेद की बातः राव इंद्रजीत

अंबाला में शहीद स्मारक बन गया, लेकिन नसीबपुर में नहीं बना, खेद की बात: राव इंद्रजीत सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

मंडी अटेली। मुंडिया खेड़ा में जनसभा को संबोधित करते केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह।

मंडी अटेली। मुंडिया खेड़ा में आयोजित सभा में उपस्थित जनसमहू।

केंद्रीय राज्यमंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने दो दिवसीय अटेली विधानसभा दौरे को लेकर रविवार को क्षेत्र के गांव मुंडिया खेड़ा व सुंदरह में दौरा किया। मुंडिया खेड़ा में वरिष्ठ नेता प्रोफेसर रोशनलाल के नेतृत्व में आयोजित जनसभा को संबोधित किया तो सुंदरह में शहीद कर्णसिंह की प्रतिमा का अनावरण किया। उनके साथ सांसद धर्मबीर, विधायक सीताराम यादव व आरती राव समेत राव के समर्थक मौजूद रहे। इससे पूर्व प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य ओबीसी मोर्चा युवा नेता कुलदीप यादव ने 40 से अधिक गाड़ियों के काफिले की में शामिल लोगों के साथ केंद्रीय मंत्री का स्वागत कर उनके साथ पार्टी की नीतियों का प्रचार किया। वहीं दूसरे दिन अपने जनसंपर्क के दौरान भाजपा पर राव साहब साफ्ट रहे और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बल पर देश व प्रदेश में भाजपा मजबूत हुई। केंद्रीय मंत्री के अपने संबोधन में पार्टी पर सख्त बयान देकर आगामी विधानसभा में अपनी पकड़ मजबूत की रणनीति को देखा जा रहा है।

केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने कहा प्रदेश में दो शहीद स्मारक बनाने के प्रस्ताव मंजूर हुए थे, जिसमें अंबाला का स्मारक तो बन गया है, लेकिन नसीबपुर में घोषित शहीद स्मारक नहीं बना है। कुछ माह में विधानसभा का चुनाव होने वाला है, हम सब को संगठन बनाकर अपनी शक्ति दिखानी है। उन्होंने कहा कि लोकसभा के चुनावों में उसके कहने पर चौ. धर्मबीर को समर्थन व सहयोग करने से वह मेरी आवाज में आवाज मिलाकर सांसद क्षेत्र की मसलों को उठाते रहेंगे। उन्होंने अफसोस प्रकट करते हुए कहा कि वह जिस भी व्यक्ति को वह आगे बढ़ाता है, वह पीठ पीछे होकर उसकी पिंडी को बुटका भर लेता है। यह मेरा दुर्भाग्य रहा है, उसके पिता के साथ भी यही हुआ है। चाहे हरिसिंह, दलीप सिंह, बंशीसिंह आदि साथ नहीं रहे। सीएलयू गैंग बनी हुई इसलिए आप लोगों को सीलएयू गैंग से बचकर रहना है तथा संगठित व सोच समझ कर वोट का प्रयोग कर इस इलाके की राजनीति शक्ति को खिंडेरने (बिखरने) नहीं देना। सांसद धर्मबीर ने कहा कि राव इंद्रजीत सिंह क्षेत्र के बड़े व इलाके के सुःख दर्द के सांझा करने वाले नेता हैं। प्रदेश ही नहीं, देश में इनके जैसा ईमानदार व सच्चा नेता के रूप में अलग से पहचान बनाई है। विधायक सीताराम यादव ने कहा कि राव साहब अहीरवाल के सर्वमान्य नेता के साथ अपनी बात पर अडिग रहने वाले नेता हैं।

3 माह मे मंजूरी नहीं मिली तो 5 साल में मैं अटेली में बनवाऊंगा मल्टीपर्पज स्पोर्ट्स स्टेडियम : राव

मंडी अटेली। केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) राव इन्द्रजीत सिंह अटेली धन्यवाद कार्यक्रम के लिए पहुंचें। इस दौरान अटेली खेल संघर्ष समिति की टीम अहीवाल क्षेत्र में खेल सुविधाओं की मांग अंतरराष्ट्रीय स्तर मल्टीपर्पज स्पोर्ट्स स्टेडियम काम्प्लेक्स, साई ट्रेनिंग सेंटर, स्पोर्ट्स कॉलेज, स्पोर्ट्स स्कूल को उनके सामने रखा। मांग पत्र देखने और सारी बातचीत सुनने के बाद उन्होंने कहा कि 3 महीने में चुनाव से पहले अगर नहीं बनता है यानी कि मंजूरी नहीं मिलती है तो फिर पांच साल में मैं बनवाऊंगा। वह मल्टीपर्पज स्टेडियम और इन सभी खेल सुविधाओं की मांग को पूरा करवाएंगे। उनके इस सकारात्मक बयान के बाद देखते ही देखते ये खबर वहां मौजूद अतिथियों और क्षेत्रवासियों मे बहुत तेजी से फैली कि जो संघर्ष ये टीम अटेली खेल संघर्ष समिति कर रही है वो इस क्षेत्र की आज के समय की सबसे बड़ी जरूरत और हक है और इसके लिए तो पूरे क्षेत्र को आगे आकर संघर्ष करने की जरूरत है। अटेली खेल संघर्ष समिति के अध्यक्ष एनआईएस कोच ललित यादव ने कहा कि संघर्ष समिति राव इन्द्रजीत सिंह का धन्यवाद और आभार प्रकट करती है। विशेष धन्यवाद उन साथियों का जो लगातार क्षेत्र और युवाओ के हक की इस लड़ाई में अपना योगदान दे रहे हैं। इस मौके पर राव सचिन इंजीनियर बिहाली, रामनिवास पीटीआई सैदपुर, अजय कोच सहाब राजपुरा, एनआईएस कोच ललित यादव, मुकेश यादव सहाब राजपुरा, एनआईएस कोच ललित यादव, मुकेश पृथ्वीपुरा, जीतू धनौंदा, विकास यादव चेयरमैन, विकास यादव सरपंच सैदपुर, अशोक नावदी, पवन बाछौदिया मौजूद रहे।

कनीना। जनसभा को संबोधित करती आरती राव व मंचासीन केंद्रीय मंत्री व अन्य।

विस चुनाव के लिए अटेली हलका मेरी प्राथमिकताः आरती राव

- कनीना, मुंडिया खेड़ा व सुंदरह में किया धन्यवादी जनसभाओं को संबोधित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

राजनीति में ऐसी नई पौध लगाए जो वट वृक्ष का रूप धारण कर लंबे समय तक क्षेत्र की जनता की आवाज बुलंद कर सकें। ये बातें केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने रविवार को कनीना में आयोजित धन्यवादी दौरे के दौरान उपस्थित जनसमूह के समक्ष कही। उन्होंने कहा कि चुनाव में युवाओं की भागीदारी होनी चाहिए। जिससे देश को नई दिशा मिल सके। उन्होंने कहा कि चुनाव की समयावधि नजदीक आते ही शगूफे छोड़ने शुरू हो जाते हैं। जिनके माध्यम से हलके से बाहर के व्यक्तियों को टिकट न देने को कहा जाता है। इस पर राव ने कहा कि अटेली हलके से भी शगूफे सामने आने लगे हैं, जबकि ऐसा करने वाले लोगों को इतिहास के पन्ने पलट कर देख लेना चाहिए कि जब हरियाणा में 81 हलके होते थे उस समय कनीना विधानसभा क्षेत्र होता था। उसके बाद नौ हलकों का विस्तार कर परिसीमन आयोग ने कनीना को तोड़कर रेवाड़ी जिले में जाटूसाना हलका बना दिया। कनीना व उसके 24 गांवों को जाटूसाना में जोड़ दिया गया। इसके बाद 2009 में पुनः परिसीमन आयोग की सिफारिश लागू हुई जिसमें अटेली हलका बना दिया गया और कनीना को अटेली के साथ मिला दिया गया, जो लोग बाहरी कहते हैं उन्हें इस बात को समझना चाहिए।

जनता का आभार जताया

राव इंद्रजीत सिंह ने कहा कि उनकी ओर से किसी भी व्यक्ति को किसी भी विधानसभा क्षेत्र से टिकट का आशीर्वाद नहीं दिया गया है। लोकसभा चुनाव में चौ. धर्मबीर सिंह को जीताने पर जनता का धन्यवाद किया। इसे पूर्व उन्होंने मुंडिया खेड़ा व सुंदरह में भी जनसभा आयोजित कर जनता का आभार जताया। आरती राव ने कहा कि वे विधानसभा चुनाव लड़ेगी। जिसमें अटेली हलका उनकी प्राथमिकता है। भिवानी महेंद्रगढ़ लोकसभा के सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह ने कहा कि राव इंद्रजीत सिंह के दामन पर कोई दाग नहीं है। अमर शहीद राव तुलाराव के वंशज ने राजनीति में लंबी पारी खेली है।

जन्मदिन पर गायों को खिलाया पोषाहार

नांगल चौधरी। भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश मंत्री सुंदर चौधरी के जन्मदिन पर कार्यकर्ताओं को गौशाला में सवामणी की। हवन में आहूति डालकर दीर्घायू व अच्छे स्वास्थ्य की मन्नतें मांगी है। इस दौरान युवाओं ने पौधारोपण करके देखरेख करने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि समाज में जन्मदिन मनाने की परंपरा बनी हुई है लेकिन इस खुशी में में जरूरतमंदों को शामिल करना मानवता है। प्रत्येक युवा को जन्मदिन में पौधारोपण अवश्य करना चाहिए, जिससे कई दशकों तक यादें जुड़ी रहेंगी। इसके बाद उन्होंने नारनौल पहुंचकर अंध वद्यिालय में छात्राओं को भोजन कराया है तथा उन्हें दैनिक उपयोगी सामग्री वितरित की है। गौशाला में पौधारोपण करने के बाद गायों को पोष्टिक आहार खिलाया गया है।

बीसी सम्मान समारोह के लिए पूर्व मंत्री रामबिलास शर्मा ने सौंपी कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। जयराम सदन में जिम्मेदारियां सौंपते पूर्व मंत्री रामबिलास शर्मा।

आगामी 16 जुलाई को केंद्रीय विश्वविद्यालय जाट-पाली में होने जा रहे बीसी सम्मान समारोह को लेकर पूर्व मंत्री रामबिलास शर्मा ने जयराम सदन में कार्यकर्ताओं की बैठक ली। पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा ने कहा कि 16 जुलाई को देश के गृहमंत्री अमित शाह विधानसभा क्षेत्र के गांव पाली में बीसी सम्मान समारोह में मुख्यातिथि पधारेंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे बीसी सम्मान समारोह की तैयारी के लिए जी जान से जुट जाएं। शर्मा ने भाजपा कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों को सम्मान समारोह सफल बनाने के लिए जिम्मेदारियां सौंपी। उन्होंने बताया कि बीसी सम्मान समारोह ऐतिहासिक होगा। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल कौशिक व केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह सहित प्रदेश सरकार के तमाम मंत्री, पूर्व मंत्री, विधायक व पूर्व विधायक पधारेंगे। इस मौके पर नगर परिषद चेयरमैन रमेश सैनी, ब्लॉक समिति चेयरमैन लक्ष्मी खोश्या, सुधीर दीवान, कुलदीप शर्मा, अशोक शेखावत, देवेंद्र यादव, सूरत सिंह सैनी, वष्णि तंवर, पवन खैरवाल, मंजीत तंवर, मुकेश खटीक, डॉ. कृष्ण शर्मा आनावास, डॉ. राज यादव, दिनेश यादव, लाला ओमप्रकाश बचीनी वाला, मनोज ठेकेदार, धर्मेन्द्र सैनी, लक्ष्मीनारायण आदि मौजूद थे।

नंदीशाला में गायों के लिए की हरे चारे की व्यवस्था

नारनौल। गोमाता सेवा समूह द्वारा नंदीशाला में गोमाता के लिए हरी सब्जी व हरे चारे का प्रबंध किया गया। समूह के प्रधान प्रदीप यादव ने बताया कि वह हर रविवार को प्रातः अपनी टीम के साथ आकर हरे चारे में फल सब्जियों की भी व्यवस्था कर इन गोमाता की सेवा करते हैं। समूह के सदस्य राजकुमार गोयल ने कहा कि गोमाता की सेवा माता पिता की सेवा के बराबर है। वहीं हमारे धर्म में तो गाय को माता के बराबर दर्जा दिया हुआ है। इसलिए सभी को इस प्रकार की सेवा में भाग लेना चाहिए। उन्होंने अन्य लोगों को भी इस प्रकार की सेवा के लिए आह्वान किया।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को सुनने बड़ी संख्या में पहुंचेंगे अटेली के कार्यकर्ताः कुलदीप

मंडी अटेली। भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य ओबीसी मोर्चा व अटेली सरपंच एसोसिएशन के पूर्व प्रधान कुलदीप सरपंच ने रविवार को अनाज मंडी स्थित अपने कार्यालय में 16 जुलाई को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के महेंद्रगढ़ के पाली में होने वाले पिछड़ा वर्ग सम्मेलन के लिए बैठक की। बैठक में नर्णिय लिया गया कि अटेली विधानसभा से सम्मेलन में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल होंगे। इस मौके पर ओबीसी मोर्चा के सदस्य कुलदीप यादव ने कहा कि भाजपा नीति केंद्र व प्रदेश सरकार ने जनहित योजनाओं के साथ ओबीसी वर्ग के लिए अनेक ऐतिहासिक कार्य कर उनके उत्थान के लिए कार्य किए हैं। ओबीसी आरक्षण ग्रुप ए व बी में 15 प्रतिशत से बढ़ाकर 27 प्रतिशत कर दिया। इसके अलावा बीसी-ए वर्ग को पंचायत व स्थानीय निकायों में प्रतिनिधत्व के साथ ही केंद्रीय मंत्रीमंडल में 29 ओबीसी मंत्री बनाए गए है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डेंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005

वरिष्ठ नागरिकों ने उठाई नागरिक अस्पताल में अलग लाइन लगवाने की मांग

नारनौल। वरिष्ठ नागरिक संगठन की मासिक बैठक किला रोड स्थित साध्वी बहन मिश्री देवी आश्रम में बने कार्यालय में संगठन के प्रधान ढुलीचंद शर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में परम्परानुसार सर्वप्रथम जिन सदस्यों का जन्मदिन इस मास में आता है, उन उपस्थित सदस्यों रामबिलास यादव, हरिराम गुप्ता और कृष्ण अवतार जांगिड़ को सम्मान पट पहनाकर सम्मानित किया गया तथा उनके स्वस्थ रहते हुए दीर्घायु होने की कामना की गई। बैठक में प्रस्ताव पारित किया गया कि हरियाणा सरकार द्वारा अपने सभी कर्मचारियों को दिसंबर 2023 तक एलटीसी की सुविधा दी जा रही थी, उसके बाद एलटीसी जारी रखने के आदेश पारित नहीं किए गए हैं। इसलिए वर्ष 2024 से सभी कर्मचारियों व पैन्शनरज को यह सुविधा जारी की जाए। हरियाणा सरकार को कई बार अनुरोध किया गया है कि सरकार के पैन्शनरज को 65, 70 और 75 वर्ष की आयु पर क्रमशः 5, 10 और 15 प्रतिशत पैन्शन में बढ़ोतरी की जाए, किन्तु अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की गई है। अतः सरकार से पुनः अनुरोध है कि पैन्शन मे वर्णित बढोतरी तुरंत लागू की जाए। बैठक मे विचार-विमर्श हुआ कि व्यापारियों को भी अन्य वृद्ध जनों की तरह 60 वर्ष उपरांत सम्मान भत्ता दिया जाए। बैठक मे ध्यान मे लाया गया कि वरिष्ठ नागरिकों को किसी भी स्पेशलिस्ट डाक्टर को दिखाना होता है तो उन्हें भीड़ में आम लाइन में खड़ा होना पड़ता है, जिससे उन्हें भारी परेशानी उठानी पड़ती है।

तिरुवंतपुरम में नेशनल तलवारबाजी स्पर्धा में भाग लेगी नारनौल की खुशी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। फरीदाबाद में आयोजित स्टेट लेवल पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर खुशी व उनके कोच को प्रमाण पत्र देते मुख्य अतिथि। फोटो: हरिभूमि

नारनौल। आगामी नौ से 13 अगस्त को केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम में होने वाली तलवारबाजी (कलेरीपट्टू) की राष्ट्रीय प्रतियोगिता में नारनौल की खुशी जिला महेंद्रगढ़ का नेतृत्व करेगी। पिछले दिनों फरीदाबाद में आयोजित स्टेट लेवल की प्रतियोगिता में विजय हासिल करते हुए खुशी ने नेशनल प्रतियोगिता में अपना स्थान निश्चित किया है। हरियाणा कलेरीपट्टू संस्था की एडोक कमेटी के जनरल सेक्रेटरी रामाचंद्रन आर ने खुशी के कोच रामकिशन सैनी पहलवान को एक पत्र भेजकर राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए सूचित किया है। खुशी के कोच रामकिशन सैनी पहलवान ने बताया कि खुशी एक बहुत ही गरीब परिवार की लड़की है तथा नारनौल के ईदगाह कॉलोनी की रहने वाली है। उनके पिता जयप्रकाश सैनी मजदूरी करके अपने परिवार का पेट पाल रहे हैं। खुशी ने कलेरीपट्टू की स्टेट लेवल की प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए केरल में होने वाली नेशनल प्रतियोगिता में अपना स्थान निश्चित करके जिला का मान बढ़ाया है। खुशी के कोच ने बताया कि केरल में नेशनल प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए आने जाने आदि का खर्च स्वयं खिलाड़ियों को वहन करना पड़ता है, लेकिन खुशी के परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक ना होने के कारण उसके सामने आर्थिक समस्या आ सकती है। एक प्रतिभावान खिलाड़ी की प्रतिभा आर्थिक तंगी के चलते दबी ना रहे, इसलिए वह एक कोच होने के नाते जिला प्रशासन व सरकार के मंत्री तथा विधायकों से मिलकर खुशी के प्रतियोगिता में आने वाले खर्च की व्यवस्था की मांग भी करेंगे। साथ ही उन्होंने शहर के समाजसेवियों से भी मिलेंगे कि वे ऐसी प्रतिभावान खिलाड़ियों के लक्ष्य के बीच में आर्थिक स्थिति को बाधा ना बनने दे वह ऐसे प्रतिभावान खिलाड़ियों की मदद के लिए आगे आए।